पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

◆ वर्ष - 22 ◆ अंक - 13 ◆ रायपुर 05 जनवरी 2026 ◆ पृष्ठ - 16 ◆ मूल्य-5/- रुपया

प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक पहुँचाई जाएंगी नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ

दूरस्थ आदिवासी अंचलों को स्वास्थ्य की नई राह

मुख्यमंत्री ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। दूरस्थ और घने वनांचल वाले आदिवासी क्षेत्रों में अब स्वास्थ्य सेवाएँ लोगों के दरवाज़े तक पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमन के तहत बुधवार को नवा रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों के संचालन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। सरकार का मानना है कि दुर्गम अंचलों में रहने वाले समुदायों को अस्पताल तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए यह व्यवस्था स्वास्थ्य सुविधाओं को सीधे उनके गाँवों व बसाहटों तक पहुँचाएगी।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों की तैनाती से प्रदेश के 18 जिलों के 2100 से अधिक गाँवों और बसाहटों तक नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएँगी। इससे दो लाख से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए अब इलाज और जाँच की सुविधा गाँव में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल को आदिवासी समुदायों की सर्वांगीण भागीदारी और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस आधार बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का दिन है। समाज में आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रत्येक दृष्टिकोण से पिछड़े लोग विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग हैं। छत्तीसगढ़ में निवासरत 3 करोड़ की आबादी में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 लाख 30 हजार लोग 18 जिलों के 21 सौ बसाहटों में निवासरत हैं। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट उनके लिए वरदान साबित होगा। इन सर्वसुविधा-संपन्न 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से यह कार्य आसान होगा। इस यूनिट में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्निशियन और स्थानीय वालंटियर उपस्थित होंगे। इस यूनिट में 25 तरह की जाँच सुविधाएँ तथा 106 तरह की दवाइयाँ नि:शुल्क उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस नवीन योजना के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

तीसरे बजट सत्र की तैयारी में जुटी सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के तीसरे बजट की तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार का फोकस इस बार विकास और जनकल्याण की प्राथमिकताओं को मजबूत करने पर है। इसी कड़ी में वित्त विभाग ने मंत्री-स्तरीय बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है। 6 से 9 जनवरी तक होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री ओपी चौधरी करेंगे। वे 4 दिनों तक मंत्रियों से वन-टू-वन चर्चा कर विभागीय प्रस्तावों की समीक्षा करेंगे। 6 से 9 जनवरी 2026 तक नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में वित्त मंत्री के कक्ष में होंगी। इस दौरान सभी विभाग अपने-अपने नवीन बजट मदों, नई योजनाओं और प्रस्तावित परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण करेंगे। 6 जनवरी की सुबह 11 बजे उद्योग, आबकारी एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन अपने विभाग के नए प्रस्ताव रखेंगे। दोपहर 12 बजे स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं ओबीसी कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल बैठक लेंगे। दोपहर 2 बजे पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री राजेश अग्रवाल अपने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे। दोपहर 3 बजे कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं एससी कल्याण मंत्री गुरु खुशवंत विभागीय योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की सौजन्य मुलाकात, 'बस्तर पंडुम 2026' में किया आमंत्रित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति को बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, परंपराओं एवं लोक जीवन से अवगत कराते हुए कहा कि बस्तर पंडुम राज्य की जनजातीय विरासत के संरक्षण, संवर्धन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह आयोजन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका अंतिम चरण फरवरी 2026 में बस्तर में संपन्न होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, बुनियादी ढांचे के विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय संस्कृति से जुड़े इस आयोजन की सराहना करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि बस्तर पंडुम 2026 के माध्यम से लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्र, हस्तशिल्प, जनजातीय व्यंजन, वेशभूषा सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री मांडविया से की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित "प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स - 2026" के सफल आयोजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में खेलों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिलना समूचे राज्य के लिए गर्व और सम्मान का विषय है, यह अवसर राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने अवगत कराया कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, हॉकी, फुटबॉल और तैराकी सहित कुल 07 मुख्य खेलों की स्पर्धाएँ आयोजित की जाएँगी, वहीं 2 खेल डेमो स्वरूप प्रस्तुत किए जाएंगे। प्रस्तावित आयोजन के अनुसार सरगुजा संभाग में कुश्ती, तीरंदाजी एवं वेटलिफ्टिंग,रायपुर में हॉकी, फुटबॉल एवं तैराकी तथा बिलासपुर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

नवनियुक्त कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समय-सीमा बैठक संपन्न

विभागीय योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा, लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। जिले की नवनियुक्त कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समय-सीमा (टीएल) बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, विभाग प्रमुख एवं संबंधित शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी रूप से पहुँचना सुनिश्चित किया जाए।

राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अतिक्रमण एवं न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी समय-सीमा के प्रकरणों का निर्धारित अवधि में अनिवार्य निराकरण किया जाए

लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा हो आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति पर विशेष जोर

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अपूर्ण एवं प्रगतिरत आवासों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि शेष आवासों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, हितग्राहियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो

मनरेगा एवं ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा

मनरेगा के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिक से अधिक मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा परिसंपत्ति निर्माण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सर्वोपरि होनी चाहिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टर एवं स्टाफ की उपस्थिति, मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर निगरानी की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षा विभाग की समीक्षा, गुणवत्ता सुधार पर बल

कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में शिक्षक उपस्थिति, छात्र नामांकन, छात्रवृत्ति वितरण एवं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा

बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन वितरण, ई-केवाईसी एवं हितग्राही समस्याओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पेयजल, विद्युत एवं नगरीय सुविधाओं पर निर्देश

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं विद्युत विभाग को निर्देश दिए गए कि पेयजल आपूर्ति सुचारू रखी जाए, बिजली आपूर्ति में अनावश्यक बाधा न हो, शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए

समय-सीमा एवं जन शिकायतों के निराकरण पर सख्त निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन, सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं गंभीरता से त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा प्रशासन का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। सभी अधिकारी समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करें उन्होंने आगामी बैठकों में परिणाम आधारित समीक्षा किए जाने की बात भी कही।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत ग्राम ढोलिया में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशानुसार तथा सचिव महोदया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत कैंपेन के अंतर्गत ग्राम ढोलिया में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ताओं द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान अधिवक्ता श्री आयुष शुक्ला ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है तथा इसमें शामिल व्यक्ति—चाहे वह माता-पिता हों, अभिभावक हों या विवाह संपन्न

कराने वाले—सभी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने बाल विवाह से बच्चों, विशेषकर बालिकाओं, पर पड़ने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के साथ-साथ इससे उत्पन्न होने वाली आर्थिक समस्याओं के बारे में भी ग्रामवासियों को अवगत कराया। अधिवक्ता श्री देवेंद्र साहू ने बाल विवाह की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी संभावित या घटित बाल विवाह की सूचना संबंधित थाने, बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है तथा प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है, जिससे बाल विवाह को समय रहते रोका जा सके। शिविर में उपस्थित अधिवक्ताओं ने ग्रामीणों से अपील की कि वे समाज में फैली कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक बनें और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने अभिभावकों को समझाया कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षित भविष्य देना उनका कर्तव्य है। इस विधिक जागरूकता शिविर में सहायक एलएडीसी श्री देवेंद्र साहू, श्री अमन दुबे, श्री आयुष शुक्ला, सुश्री गीता दास, दुर्गा साहू एवं श्रीमती पी. राजेश्वरी उपस्थित रहे। शिविर के अंत में ग्रामीणों ने बाल विवाह के विरुद्ध संकल्प लेते हुए कानून का पालन करने एवं जागरूकता फैलाने का आश्वासन दिया।

वोट बैंक का लालच बना है पर्यावरण विनाश का कारण

प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवदेनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है। जिससे जान–माल का भारी नुकसान होता है। इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है।

वोट बैंक का लालच सत्तारुढ़ दलों को इस कदर हाथ बांधे रखने के लिए मजबूर रखता है कि बेशक प्राकृतिक आपदाओं के विनाश से लोगों की जान ही क्यों न चली जाए। इसकी सरकारों को चिंता—परवाह नहीं है। लगता है उनका एकमात्र उद्देश्य बन गया है हर हाल में वोट बैंक को बनाए रखना। ऐसी प्रवृत्ति की पुनरावृत्ति तब सामने आई सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के प्रति जबरदस्त नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवदेनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है। जिससे जान—माल का भारी नुकसान होता है। इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है। पिछले आठ वर्षों में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3,554 लोगों की जान गई, 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। मानसून का मौसम लगातार घातक साबित होता है, जिससे राज्य की पहले से ही नाजुक भूभाग पर हर साल एक नया घाव हो जाता है। बादल फटने से धारली में आई भीषण बाढ़ में 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ।

इसे भी पढ़ें- सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेशों से पर्यावरण सुरक्षा पर संकट? पूर्व अधिकारियों ने जताई गहरी चिंता

उत्तराखंड एक खतरनाक चक्र में फंस गया है। व्यापक और सक्रिय आपदा प्रबंधन के अभाव में, देवभूमि (देवताओं की भूमि) प्रकृति के प्रकोप से लगातार क्षतिग्रस्त होती रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से हो रही देवदार के पेड़ों की कटाई ही उत्तरकाशी में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण है। देवदार के पेड़ों की जड़ें घनी होती हैं जो मिट्टी को बांधकर रखती हैं, कटाव को रोकती हैं और भारी बारिश या भूस्खलन के दौरान मलबे और पानी के बहाव को रोककर संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों की रक्षा करती हैं। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि यदि धराली में ऐतिहासिक देवदार के वन क्षेत्र बरकरार रहते, तो इस आपदा का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता, या शायद नगण्य ही हो जाता। एक समय उत्तराखंड के ऊंचे और हिमालयी क्षेत्र विशेष रूप से समुद्र तल से 2,000 मीटर से ऊपर के इलाके देवदार के घने जंगलों से आच्छादित थे। प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन 400 से 500 देवदार के पेड़ पाए जाते थे। वन, जो प्राकृतिक ढलानों को स्थिर रखते हैं, उनकी कमी से जल निकासी बाधित होती है और पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर होता है, जिससे आपदाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पेड़-पौधे मिट्टी को जकड़कर रखते हैं। जब पेड़ कटते हैं, तो मिट्टी ढीली पड़ जाती है और भारी बारिश के दौरान आसानी से बह जाती है, जिससे भूस्खलन और मलबा प्रवाह होता है, जैसा कि 2013 के केदारनाथ आपदा में देखा गया था। 5 अगस्त, 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में आई विनाशकारी आपदा ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति हिमालयी राज्य की दीर्घकालिक संवेदनशीलता को उजागर कर दिया था। इस त्रासदी में 66 लोग लापता हुए। पिछले एक दशक में राज्य में लगभग 18,464 प्राकृतिक आपदाएँ दर्ज की गई, जिनसे भारी नुकसान हुआ है।

- योगेंद्र योगी ... साभार... प्रभासाक्षी

आत्ममंथन, संकल्प और मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है।

नया साल एक नए सवेरे की तरह है, जो हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरुआत की संभावनाएं लेकर आता है। समय के साथ वह अपने चरम पर पहुंचता है और फिर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही म एक निरंतर अनुभव है, जिसे इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति अनुभव करता है। यह निरंतरता ही प्रकृति और जीवन का परम सत्य है। नए वर्ष की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए।

नए साल की शुरुआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ.साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। यदि व्यक्ति अपने जीवन के आरंभ में ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो सफलता की दिशा स्वत: स्पष्ट हो जाती है। लक्ष्य हमें अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को नए वर्ष की शुरुआत में वर्ष भर के लिए कुछ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, ताकि आने वाले समय में वह अपने लक्ष्य के लिए किए गए सत्कर्मों और प्रयासों के माध्यम से निरंतर विकास करता हुआ अपने जीवन के चरम और शिखर तक पहुँच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते वर्षों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, साथ-साथ अनेक सफलताएँ भी पायी हैं। इन सफलताओं और उपलब्धियों में मोदी सरकार को अपनी गलतियों और कमियों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। बल्कि अपनी गलतियों और कमियों का मूल्यांकन करके भावी वर्ष के लिये रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि गलतियों और कमियों को सुधारकर अवसरों में बदला जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। 2026 में देश के 4 राज्यों- असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल तथा 1 केंद्र शासित प्रदेश- पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल प्रचार का ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भी चुनौती होगी। इसी क्रम में (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नए वर्ष में मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से फर्जी, दोहरे या मृत मतदाताओं के नाम हटाकर वास्तविक और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करना निष्पक्ष चुनाव की बुनियाद को मजबूत करता है। इन पाँच चुनावी क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति अलग-अलग है। असम में पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार है, जबकि पुडुचेरी में गठबंधन सरकार सत्तारूढ़ है। इन दोनों स्थानों पर सत्ता को बनाए रखना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं जहाँ भाजपा अपने संगठन का विस्तार कर राजनीतिक बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल भाजपा की रणनीति का प्रमुख केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।

यहाँ राष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ विशेष गहन पुनरीक्षण जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पक्ष मतदान और जागरूक मतदाता पर जोर देना पार्टी की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा हो सकता है। असम और पश्चिम बंगाल में लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए कथित रूप से मतदाता सूची में शामिल होकर वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं। यदि ऐसा है, तो यह न केवल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुचिता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए भी गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है। इन्हीं आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया आरंभ की गई है, जिसके तहत मतदाता सूचियों की गहराई से जांच की जा रही है। सरकार का तर्क है कि यह प्रक्रिया विशेष रूप से असम और पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में आवश्यक है, जहाँ अवैध घुसपैठ की समस्या को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

कुछ घुसपैठियों ने आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं, जिसके कारण वे चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बन गए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ऐसे मतदाताओं का लाभ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मिलता है, जबकि असम में इसका प्रभाव विपक्षी दलों की स्थिति को मजबूत करने के रूप में देखा जाता है। सरकार का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य किसी समुदाय या राज्य को निशाना बनाना नहीं, बल्कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है, ताकि केवल पात्र और वैध नागरिक ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें। निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से ही लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखा जा सकता है। जहाँ तक दो दक्षिणी राज्यों-केरल और तमिलनाडु का प्रश्न है, तो भारतीय जनता पार्टी के लिए यहाँ खोने के लिए कुछ भी नहीं, बल्कि केवल पाने के अवसर ही हैं।

– डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत सिंघौरी में आवास निर्माण की गति तेज, प्रशासन की सख्त निगरानी

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंघौरी में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने निगरानी और मार्गदर्शन को और सुदृढ़ किया है। आवास निर्माण की धीमी प्रगति को लेकर जनपद पंचायत स्तर पर विशेष पहल की जा रही है, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। इस क्रम में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) एवं तकनीकी सहायक द्वारा ग्राम पंचायत सिंघौरी का फील्ड विजिट किया गया। भ्रमण के दौरान लंबित आवासों की प्रगति का भौतिक सत्यापन किया गया तथा जिन हितग्राहियों द्वारा अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन्हें आवश्यक निर्देश दिए गए।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जो लाभुक आवास निर्माण में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा।

अधिकारियों ने हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता, किस्तों की प्रक्रिया, निर्माण की गुणवत्ता, समय-सीमा तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी विस्तार से दी। साथ ही यह भी बताया गया कि समय पर निर्माण पूर्ण करने से अगली किस्त समय पर प्राप्त होगी, जिससे आर्थिक बोझ कम होगा और परिवार को सुरक्षित आवास मिल सकेगा।फील्ड विजिट के दौरान नए स्वीकृत आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने पर विशेष जोर दिया गया। तकनीकी सहायक द्वारा निर्माण से संबंधित तकनीकी पहलुओं, नक्शे एवं गुणवत्ता मानकों की जानकारी दी गई, ताकि आवास निर्माण टिकाऊ और मानकों के अनुरूप हो। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने हितग्राहियों को मनरेगा सहित अन्य सहायक योजनाओं से समन्वय कर निर्माण कार्य में सहयोग लेने के बारे में जानकारी दी। प्रशासन ने भरोसा जताया कि नियमित निरीक्षण, मार्गदर्शन एवं हितग्राहियों से सतत संवाद के माध्यम से ग्राम पंचायत सिंघौरी में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सभी स्वीकृत आवास निर्धारित समय में पूर्ण किए जाएंगे, जिससे पात्र परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार होगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कृषि विभाग की समीक्षा बैठक

योजनाओं की प्रगति पर दिए गए अहम निर्देश

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट के दिशा सभाकक्ष में कृषि विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कृषि एवं किसान हितैषी योजनाओं, फसल बीमा, उर्वरकों की उपलब्धता, बैंकिंग समन्वय तथा आगामी कृषि गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कृषि जिले की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए सभी योजनाओं का लाभ समय पर और शत-प्रतिशत पात्र किसानों तक पहुँचना चाहिए।

बैठक में उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डडसेना, अनुविभागीय अधिकारी कृषि, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी, सहायक संचालक कृषि, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी सहित जिले के वरिष्ठ एवं विकास अधिकारी उपस्थित रहे। उप संचालक कृषि श्री डडसेना ने जिले की कृषि स्थिति पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि जिले में 94 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सर्कल के विरुद्ध वर्तमान में 57 सर्कल भरे हुए हैं। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 906 मि.मी. है, जबकि चालू वर्ष में लगभग 552 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले का निरा फसल क्षेत्र 2.25 लाख हेक्टेयर तथा द्विफसली क्षेत्र 1.72 लाख हेक्टेयर है। उल्लेखनीय रूप से जिले की फसल सघनता 176 प्रतिशत है, जिसके साथ बेमेतरा जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है। कृषक उन्नति योजना की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिले में 1.65 लाख से अधिक कृषकों का पंजीयन लगभग पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शेष पात्र किसानों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराया जाए और योजना का लाभ सभी तक सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल कटाई प्रयोग सीसीई की प्रविष्टियाँ समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने तथा 31 दिसंबर 2025 से पूर्व समस्त किसानों का फसल बीमा कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करता है, अत: इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उर्वरक भंडारण एवं उपलब्धता की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 30,600 मीट्रिक टन मांग के विरुद्ध डबल लॉक में 20,285 मीट्रिक टन तथा सिंगल लॉक में 16,694 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उर्वरकों का संतुलित एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित किया जाए और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

पीएम-आशा योजना के अंतर्गत सोयाबीन, चना, मूंग, उड़द, सरसों एवं अरहर की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन समय पर कराने के निर्देश दिए गए। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में लंबित e-KYC, आधार सीडिंग एवं भूमि सीडिंग के प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने पर भी विशेष जोर दिया गया। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 1.86 लाख के लक्ष्य के विरुद्ध 1.59 लाख किसानों के केसीसी बनाए जा चुके हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शेष पात्र किसानों के केसीसी शीघ्र पूर्ण कर उन्हें सस्ती दरों पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने, रागी फसल के बीज उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा आगामी सप्ताह कृषि उत्पादन आयुक्त के संभावित भ्रमण को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कृषि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा किसानों की आय वृद्धि के लिए नवाचारों को अपनाने के निर्देश दिए।

नशा-मुक्ति केंद्र से ही मिल रही नशे की सामग्री

रायपुर से भिलाई पहुंचे डॉक्टर, उनके सामने ही नशे की दवा बाहर ले जाते मिले मरीज

ब्यूरोचीफ रतन कुमार

दुर्ग। दुर्ग जिले के सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के नशा मुक्ति सेंटर में बड़ी लापरवाही सामने आई है। नशा छुड़ाने के लिए संचालित इस केंद्र में दी जाने वाली दवाइयों का दुरुपयोग कर नशाखोरी करने के आरोप लगे हैं। भाजपा जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक शनिवार जब सुपेला अस्पताल पहुंची तो उन्होंने एक मरीज को OST दवाइयां बाहर ले जाते हुए रंगे हाथ पकड़ा।

स्वीटी कौशिक का आरोप है कि, OST सेंटर में नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। नियम के अनुसार नशा छुड़ाने की दवाइयां अस्पताल परिसर में ही मरीजों को खिलाई जानी चाहिए, लेकिन यहां दवाइयां मरीजों के हाथों में दी जा रही थीं।

इसी दौरान चार मरीजों के पास से इव्लिन (Evelyn) की चार शीशियां, लगभग चार सीसी दवा और OST पाउडर की अच्छी मात्रा बरामद की गई। आरोप है कि इन दवाओं का उपयोग मरीज इंजेक्शन के जरिए नशा करने में कर रहे हैं।

सुपेला थाने में शिकायत

स्वीटी कौशिक ने बताया कि, लंबे समय से स्थानीय लोगों द्वारा OST सेंटर को हटाने या शिफ्ट करने की मांग की जा रही है। सेंटर के आसपास नशाखोरी, उपद्रव और असामाजिक गतिविधियों के कारण अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों, खासकर महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि नशा छुड़ाने के नाम पर यहां सस्ता नशा आसानी से उपलब्ध हो रहा है, जिससे नशे की लत और बढ़ रही है।

रायपुर से निरीक्षण करने पहुंचे थे डॉक्टर

बताया जा रहा है कि, रायपुर से डॉक्टर सुपेला के ओएसटी सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसकी जानकारी जब बीजेपी की महिला मोर्चा अध्यक्ष को लगी तो वे भी कार्यकर्ताओं के साथ सुपेला अस्पताल पहुंची। इस दौरान उन्होंने एक मरीज को बड़ी मात्रा में दवाई ले जाते हुए रंगे हाथ पकड़ा। जबकि यह दवा तत्काल मरीज को खिलाने की दवा है। रायपुर से पहुंचे डॉक्टर सोनवानी ने पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है। वहीं OST सेंटर के डॉक्टर और स्टाफ संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और गोल-मोल जवाब देते नजर आए। स्वीटी कौशिक ने इसे एक संगठित सिंडिकेट की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए सुपेला थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

लगातार विवादों में चल रहा सुपेला का ओएसटी सेंटर

सुपेला का नशा मुक्ति केंद्र पिछले कुछ सालों से लगातार विवादों में है।

लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। भाजपा महिला मोर्चा का कहना है कि चार-पांच मरीजों को जो दवा अस्पताल में दी जानी चाहिए थी, वही दवाएं बाहर ले जाते हुए पकड़ी गई हैं। यह न केवल स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही है, बल्कि नशा मुक्ति अभियान की मंशा पर भी सवाल खड़े करता है।

फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं प्रशासन से मांग की जा रही है कि ह्रस्ञ सेंटर को शिफ्ट किया जाए या कड़ी निगरानी में संचालित किया जाए, ताकि अस्पताल परिसर में शांति बनी रहे और नशा मुक्ति अभियान अपने उद्देश्य को सही मायनों में पूरा कर सके।

सड़क दुर्घटना में ज्यादातर मौत की वजह सिर पर चोट से होती हैः एसपी

ब्यूरोचीफ रतन कुमार

धमतरी। धमतरी पुलिस ने सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत 1 जनवरी को की है। दूसरे दिन शुक्रवार को यातायात शाखा द्वारा गांधी चौक से शहर में हेलमेट जागरूकता रैली निकाली।

रैली शहर का भ्रमण कर लोगों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने के महत्व के बारे में जागरूक किया। रैली को एसपी सूरज सिंह परिहार ने हरी झंडी देकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादातर मौतें सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण होती हैं।

पुलिस विभाग का दावा है कि जिले में वर्ष 2025 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में वर्ष 2024 की तुलना में 19त्न की कमी दर्ज की गई, वहीं दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में 6.21त्न की गिरावट आई। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्ती दिखाते हुए उनके वाहन जब्त किए गए, जिससे दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में मदद मिली।

स्कूली बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा, हेलमेट पहनें-सुरक्षित घर लौटें तथा सावधानी हटी- दुर्घटना घटी जैसे नारों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया। यातायात जागरूकता एवं नशा मुक्ति से संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियों के माध्यम से जनसंदेश प्रचारित किया गया। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवहार विकसित करना है।

इस अवसर पर एएसपी मणिशंकर चंद्रा, सीएससी धमतरी अभिषेक चतुर्वेदी, जिला परिवहन अधिकारी अब्दुल मुजाहिद, कोतवाली टीआई राजेश मरई, यातायात प्रभारी खेमराज साहू समेत शिक्षक, समाजसेवी संगठन, स्काउटङ्कगाइड के सदस्य उपस्थित थे। हेलमेट आवश्यकता नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच एसपी सूरज सिंह परिहार ने कहा कि हेलमेट केवल कानूनी पालन का विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन को सुरक्षित रखने के लिए एक अनमोल कवच है। सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौत और गंभीर चोटों को कम करने के लिए हेलमेट का उपयोग जरूरी है। वाहन चालक के अलावा पीछे बैठे व्यक्ति के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य है। कई दुर्घटनाओं में देखा गया है कि हेलमेट पहनने वाले चालक की जान बच जाती है, जबकि पीछे बैठे बिना हेलमेट वाले व्यक्ति को गंभीर चोट लगती है या उनकी मृत्यु हो जाती है।

बस्तर के जननायक गुण्डाधुर

जंगल, जमीन और अधिकारों की लड़ाई ने गढ़ दिया इतिहास

बस्तर। आदिवासी समाज के महान जननायक गुण्डाधुर का नाम आज भी बस्तर की धरती पर सम्मान से लिया जाता है। जंगल, जमीन और अपने परंपरागत अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जो संघर्ष छेड़ा, उसने न सिर्फ अंग्रेज़ी शासन को चुनौती दी, बल्कि पूरे क्षेत्र में जागरूकता की नई लहर पैदा कर दी।

इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि वर्ष 1910 का बस्तर विद्रोह केवल आंदोलन नहीं था, बल्कि यह आम लोगों के आत्मसम्मान की बड़ी लड़ाई थी — और इसके नेतृत्व की कमान संभाली थी गुण्डाधुर ने।

अंग्रेज़ी हुकूमत के फैसलों से बढ़ी नाराजगी

ब्रिटिश शासन के दौरान बस्तर क्षेत्र में—
जंगलों पर सख्त कानून
लकड़ी, महुआ और वन उपज पर टैक्स
बेगार (बिना मज़दूरी काम)
किसानों पर बढ़ते लगान
प्रशासनिक दमन
जैसे फैसलों ने लोगों का जीवन कठिन बना दिया था।

आदिवासी समुदाय की आजीविका सीधे जंगलों से जुड़ी थी। इस अधिकार में दखल ने लोगों के भीतर रोष पैदा कर दिया। इसी माहौल में गुण्डाधुर आगे आए और लोगों को एकजुट करना शुरू किया।

गांव-गांव जाकर दिखाई राह, बढ़ी एकजुटता

गुण्डाधुर ने किसी राजनीतिक मंच के बिना ही आंदोलन खड़ा किया।

वे—
चौपालों में बैठते
बुजुर्गों से बात करते
युवाओं को संगठित करते
ग्राम सभाओं में मुद्दे उठाते
लोगों के बीच उन्होंने साफ संदेश दिया—

जंगल के बिना जीवन नहीं — और अधिकारों के बिना सम्मान नहीं।

धीरे-धीरे बस्तर के अलग-अलग परगनों में एक मजबूत संगठन खड़ा हो गया।

1910 का विद्रोह- प्रशासन पर पड़ा दबाव

सन 1910 आते-आते आंदोलन बड़े स्वरूप में दिखाई देने लगा।

हजारों लोग विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुए।

आंदोलन की मुख्य मांगें थीं—

1जंगल और जमीन पर परंपरागत अधिकार बहाल किए जाएँ

2 बेगार की प्रथा बंद हो

3 ज्यादा लगान और टैक्स खत्म हों

4 अत्याचार करने वाले अधिकारियों पर रोक लगे

शुरुआत में यह आंदोलन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन अंग्रेज़ी हुकूमत के सख्त रवैये के कारण कई जगह टकराव की स्थिति बनी।

अंग्रेज़ सरकार का दमन, फिर भी नहीं टूटा हौसला

विद्रोह को दबाने के लिए प्रशासन ने—
छापेमारी
गिरफ्तारियां
जुर्माने
धमकियां
जैसे कदम उठाए। कई गांवों के लोग जेल भी भेजे गए।

फिर भी आंदोलन की चिंगारी बुझी नहीं।

लोगों के मन में यह विश्वास पैदा हो चुका था कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना जरूरी है।

रहस्य बना रहा आगे का जीवन

संघर्ष के बाद गुण्डाधुर जंगलों की ओर निकल गए।

इतिहासकारों और लोककथाओं में अलग-अलग कथाएं मिलती हैं—

कुछ कहते हैं वे दूर किसी दूसरे क्षेत्र में बस गए

कुछ के अनुसार उन्होंने गुमनाम जीवन बिताया

उनके अंतिम दिनों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है

यही कारण है कि उनका व्यक्तित्व आज भी रहस्य और प्रेरणा दोनों का प्रतीक बना हुआ है।

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा

आज बस्तर और छत्तीसगढ़ में—

स्मारक और प्रतिमाएँ स्थापित हैं

स्कूल-कॉलेजों में उनके संघर्ष का अध्ययन कराया जाता है

सामाजिक कार्यक्रमों में उन्हें याद किया जाता है

स्थानीय लोगों का मानना है कि गुण्डाधुर ने सिखाया—

"प्रकृति की रक्षा करो, अपने अधिकारों के लिए संगठित रहो और अन्याय के सामने चुप मत रहो।"

निष्कर्ष

गुण्डाधुर का संघर्ष केवल एक क्षेत्र की कहानी नहीं, बल्कि यह संदेश देता है कि जब जनता संगठित होकर खड़ी होती है, तो बड़े से बड़ा शासन भी उसकी आवाज़ सुनने को मजबूर हो जाता है।

उनका जीवन आज भी बस्तर की मिट्टी में स्वाभिमान, साहस और आत्मसम्मान की मिसाल बनकर जीवित है।

कार्रवाई के दौरान लकड़ी लोड ट्रैक्टर लेकर चालक हुआ फरार

ब्यूरोचीफ रतन कुमार

नवागढ़ (जिला दुर्ग)। क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों की लगातार अवैध कटाई का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रोजाना सुबह करीब 4 बजे से कहुव्वा, बबूल से लेकर सड़क किनारे लगे पेड़ों की कटाई की जा रही है। कटे हुए पेड़ों को ट्रैक्टरों में भरकर खुलेआम बेचा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि सरकारी दफ्तरों के खुलने से पहले ही लकड़ी का पूरा ट्रांसपोर्ट हो जाता है और प्रतिदिन 5 से 6 वाहन क्षेत्र से निकल जाते हैं। अधिकारी कार्रवाई के लिए पहुंचते हैं, तो लकड़ी माफिया मौके से भागने में सफल हो

जाते हैं। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे सेमरा अटल चौक पर एक ट्रैक्टर लकड़ी लेकर जांजगीर की ओर जा रहा था। तभी तहसीलदार नवागढ़ उमाकांत जायसवाल ने ट्रैक्टर को रोककर जांच की। तहसीलदार द्वारा कागजात मांगने पर चालक ने खुद को किसान बताते हुए लकड़ी आरा मिल ले जाने की बात कही। लेकिन जब तहसीलदार ने आरा मिल संचालक से पूछताछ की, तो लकड़ी मंगवाने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद तहसीलदार ने सेमरा के प्रेम कोटवार को फोन कर मौके पर बुलाया और ट्रैक्टर को रोककर रखने के निर्देश दिए। लेकिन कोटवार के पहुंचते ही ट्रैक्टर चालक लकड़ी से भरा वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

'क्राप आइकॉन अवार्ड 2026' के जज बने डॉ. राजाराम त्रिपाठी

रायपुर / नई दिल्ली किसानों के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान क्राप आइकॉन अवार्ड -2026 की राष्ट्रीय चयन समिति में छत्तीसगढ़ के कृषि विशेषज्ञ, जैविक खेती के अग्रदूत डॉ. राजाराम त्रिपाठी को जूरी सदस्य के रूप में नामित किया गया है। क्राप आइकॉन अवार्ड देश का ऐसा प्रतिष्ठित मंच है, जहां कृषि जागरण समूह की अग्रणी भूमिका में, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, नाबार्ड, महिंद्रा ट्रैक्टर्स और कृषि क्षेत्र की अन्य प्रमुख संस्थाओं के सहयोग से देश के सर्वश्रेष्ठ किसानों का चयन किया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत गेहूं, धान, दलहन, तिलहन, मसाले, फल, सब्जी, बागवानी और हॉर्टिकल्चर जैसी प्रमुख फसलों में उत्पादन, गुणवत्ता और

नवाचार के राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाता है। 2026 आईकान अवार्ड के लिए देश भर के किसान अपना पंजीयन करते हैं। पंजीकृत किसान का चरणों में वैज्ञानिक, तकनीकी और क्षेत्रीय स्तर पर गहन मूल्यांकन किया जाता है। अवार्ड के लिए चयनित किसानों के नाम की घोषणा के साथ दिल्ली के राष्ट्रीय समारोह आयोजित किया जाता है। समारोह में जहां केंद्रीय कृषि मंत्री, आईसीएआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक, तथा कृषि जगत के शीर्ष विशेषज्ञों की उपस्थिति में किसानों को पुरस्कृत किया जाता हैं। जूरी सदस्य में नामित होने के साथ डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता केवल किसान हित, पारदर्शिता और पूर्ण निष्पक्षता रहेगी और उनके रहते पुरस्कार चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के पक्षपात या भेदभाव को स्थान नहीं दिया जाएगा। डॉ. त्रिपाठी ने छत्तीसगढ़ के किसानों का ज्यादा से ज्यादा संख्या में अवार्ड की प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आवाहन किया है।

नगर में उल्लास के साथ मना छेरछेरा पर्व

बच्चों की टोलियों ने घर-घर जाकर लिया दान, गूंजे लोकगीत

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। नगर में पारंपरिक छेरछेरा पुन्नी पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर बच्चों की टोलियाँ पूरे नगर में घूम-घूमकर घर-घर पहुँचीं और पारंपरिक परंपरा के अनुसार दान प्राप्त किया। बच्चे लोकगीत गाते हुए, बाजे की मधुर धुनों पर थिरकते नजर आए। नगर का माहौल पूरी तरह लोकसंस्कृति और उल्लास से सराबोर रहा। छेरछेरा पर्व उन्नत कृषि, समृद्धि और खुशहाली के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है, जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख पारंपरिक पर्वों में शामिल छेरछेरा पुन्नी का लोगों को साल भर इंतजार रहता है। नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह पर्व बड़े ही उत्साह और पारंपरिक अंदाज में मनाया गया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर झलकती खुशी और उत्साह ने पूरे पर्व को और भी यादगार बना दिया। नगरवासियों ने खुले दिल से दान देकर परंपरा को जीवंत बनाए रखा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

महाराष्ट्र से ला रहे 615 कट्टा अवैध धान जब्त

ब्यूरोचीफ रतन कुमार

राजनांदगांव। जिले में अवैध धान के परिवहन की रोकथाम के लिए सघन जांच अभियान के तहत राजस्व विभाग की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 1 जनवरी की रात महाराष्ट्र सीमा से लगे क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान दो ट्रकों को अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए पकड़ा। रात लगभग 9 बजे राजस्व अधिकारियों का दल सीमावर्ती क्षेत्रों के निरीक्षण पर था।

इस दौरान महाराष्ट्र के सालेकसा से कोठीटोला- कारूटोला के रास्ते छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे दो संदिग्ध वाहनों को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान एक वाहन की जांच करने पर 315 कट्टा धान लोड पाया गया। दूसरे वाहन की जांच करने पर 300 कट्टा धान लोड पाया गया। वाहन

चालकों एवं स्वामियों से धान के परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज, मंडी पर्ची अथवा अन्य अनिवार्य कागजात मांगे गए। किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण अधिकारियों ने दोनों वाहनों के लोड कुल 615 कट्टा धान सहित वाहन जब्त कर किया गया। जब्त धान और वाहनों को सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने अन्य राज्यों से अवैध धान का परिवहन रोकने के लिए जिले की सीमाओं पर कड़ी निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। जब्त किए गए दोनों वाहनों एवं धान को शासन के पक्ष में राजसात करने की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिले में अवैध धान के व्यापार और परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए प्रशासन मुस्तैद है। बिचौलियों और धान के अवैध परिवहनकर्ता करने वाले के विरूद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

नववर्ष पर भजन संध्या का भव्य आयोजन, राधा-कृष्ण मंदिर में भक्ति में लीन हुए श्रद्धालु

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखमरिया। नववर्ष के पावन अवसर पर स्थानीय राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्व-महिला सहायता समूह दंतेश्वरी मानस मंडली के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

स्थानीय भक्तों के सहयोग से आयोजित भजन संध्या में कलाकारों ने अपनी सुमधुर आवाज़ में राधा-कृष्ण के भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नववर्ष की शुरुआत ईश्वर चरणों में समर्पण, मंगल कामनाओं एवं सकारात्मक भावनाओं के साथ करना रहा। भजन संध्या में बड़ी संख्या में महिला भक्तों ने भाग लिया और राधा रानी का सुमिरन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महंत बसंत बिहारी दास ने कहा कि ईश्वर की आराधना के साथ वर्ष की शुरुआत करने से पूरे वर्ष सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता अग्रवाल ने राम रक्षा स्तोत्र का पाठ किया तथा सभी से हिंदू सनातन धर्म एवं प्रभु श्रीराम के प्रति भक्ति-अनुराग बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नगर एवं समाज के हित में यदि उनके योग्य कोई सेवा या सहयोग हो, तो वे सदैव तत्पर हैं।

वहीं अनिल सिंघानिया ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से नगर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का संचार होता है।इस अवसर पर प्रमोद सिंघानिया, शिवेंद्र बिंदल, दीपक बंसल, गोदावरी मिश्रा, अन्नपूर्णा वैष्णव, मीना नामदेव, विद्या साहू,रेखा शर्मा, सरोज सिन्हा, निर्मिला सिन्हा उपस्थित थे।

शिवानी शर्मा महिला ब्राम्हण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनी

भाटापारा। स्थानीय अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति के महिला प्रकोष्ठ नई कार्यकारिणी का गठन सर्व सम्मति से किया गया जिसमें नये अध्यक्ष के रूप में शिवानी राजेश शर्मा का चयन किया गया है। वही उपाध्यक्ष किरण उपाध्याय सचिव शशि पांडे , सहसचिव साधना मिश्रा , संगठन सचिव लता शर्मा , कोषाध्यक्ष मीता शर्मा , सहकोषाध्यक्ष ओमी तिवारी तथा प्राचार्य प्रसार प्रभारी ममता भुपेश दीवान एवं सरीतारानी शर्मा मनोनित किये गये है। शिवानी शर्मा के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर चन्द्रकिरण शर्मा , भावना शुक्ला , स्वर्णलता त्रिवेदी , रेणु तिवारी , रानु शर्मा सहित अन्य लोगो ने बधाई दी है।

भाजपा के बूथ स्तरीय बैठक में कार्यकताओं ने किया स्वच्छता दीदियों का सम्मान

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। ग्राम रोहरा में भाजपा बुथ स्तरीय बैठक में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता विनोद मिश्रा के अगुवाई में स्वछता दीदीयो का साल व श्रीफल ज़ेंट कर सम्मानित किया गया । उन्होनें पंच पद पर रहकर ही गांव के अनेको विकास कार्य में अगुवाई कर सफल बनाया पुर्व पंचवर्षीय में भी पंच पद पर ही रहकर गतवा तालाब सफाई सफल कराया था। गन्दा पानी निकासी बनवाने में अपना योगदान दिया था जो कि निरंतर विनोद मिश्रा ने सफाई में सजग रहने वाले ग्रामीण जनों व सहयोग करने वाले समारोहो में दीदीयो को सम्मानित करते आ रहे हैं। कार्यक्रम सफल बनाने में कोमल साहू अनिल त्रिवेदी रघुन्दन निषाद भिखु साहू रवि यदु धनेशर साहू सहित आधिक संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाटापारा में उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया छेरछेरा पर्व

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। छेरछेरा पर्व शहर व क्षेत्र में हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया । छेरछेरा के कारण अधिकांश संस्थानों में छुट्टी का माहौल रहा वहीं घर घर छोटे - छोटे बच्चे व कही - कही नौजवान अधेड़ बाजे गाजे के साथ छेरछेरा पर्व पर मांगने निकले जिसे लोगो ने जिसका जैसा मन पड़ा वैसा दान स्वरूप चावल , दाल , मुर्रा , चॉकलेट , पैसा व अन्य सामग्री देकर बिदा किया। सुबह से बच्चे , युवा व महिलाएं हाथो मे टोकरी व थैली लेकर लोगो के घरो मे पहुंचने लगे व छेरछेरा मांगने के लिए जोरशोर से आवाज करने लगे जिसपर घर में मौजुद लोगो ने छेरछेरा मांगने आये लोगो को मुक्तहस्त से दान किया छत्तीसगढ़ी त्यौहार की परंपरा को छेरछेरा पर्व ने इस बार कुछ ज्यादा झलक दिखाया है जिसके कारण गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष छेरछेरा मांगने वाले हर गली , मोहल्ले , सड़क व अन्य स्थानों पर भारी तादाद में नजर आये । छेरछेरा की गुंज से बस स्टैण्ड , हटरी बाजार , सब्जी बाजार , सदर बाजार , सहित अन्य किराना व्यवसायिक क्षेत्र के साथ साथ रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में भी सुनाई व दिखाई दिया जिसमें अधिकांश लोगो ने छेरछेरा मांगने वालों को निराश नही किया व कुछ न कुछ देकर दान पुन्य करने की परंपरा को कायम रखा । छेरछेरा पर्व पर बड़ी तादाद में महिलाओं ने भी मंदिर जाकर दान पुन्य किया।

नव वर्ष ...

नहीं है यह नव वर्ष हमारा,
फिर भी स्वागत करना है।
विश्व नागरिक बनकर हमको,
इस दुनिया में
रहना है।
उनका भी नव वर्ष मनाएँ,अपना
भी मन जाएगा।
यही एक सद्भाव जगत में, सुंदर
सुमन खिलाएगा।
प्रेम जगत को जोड़ेगा बस, इस
धारे में बहना है।
सभी सुखी हों,
सभी निरोगी,
यही कामना
करते हैं।
जो विपदाएँ आती उनसे, हिम्मत से
हम लड़ते हैं।
दुख-सुख तो आते-जाते हैं,
आज यही बस कहना है।
संकल्पों की है
यह बेला,
कुछ नूतन
अभियान रहे
करें जगत की जय हम
लेकिन,अग्रिम हिंदुस्तान रहे।
नये -नये प्रतिमान हमें बस, नये
वर्ष में गढ़ना है।

रविन्द्र गिन्नौरे

मनखे मनखे एक समान आज भी प्रासंगिक - अश्वनी शर्मा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर से 11 किलोमीटर दुर ग्राम सिंगारपुर में गुरू घासीदास जयंती समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने भाग लिया उक्त अवसर पर उन्होनें उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरू घासीदास के बताये हुए रास्ते पर चलकर ही सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है मनखे मनखे एक समान की भावना गुरू घासीदास ने बहुत पहले महसुस करते हुए लोगो को प्रेरणादायक व अनुकरणीय संदेश दिया था। उक्त संदेश आज भी

गुरू घासीदास के बताये हुए रास्ते पर चलकर ही सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है

प्रासंगिक है सत्य अहिंसा और मानवता के संदेश को लोगो तक पहुंचाकर समाजिक समरस्ता , सामानता एवं भाईचारें के मूल्यों को और अधिक सुदृढ किया जा सकता है। उपरोक्त अवसर पर टेकराम मिरी , माखन दास महिलांगे , चन्द्रकांत दास खुटे, एमडी लहरे , विरेन्द्र दास बंजारे , संतराम दास कुर्रे , आजाद कौशाल , विजय सोनवानी , रमेश रात्रे ,अजित रात्रे ,शिव अनंत , सुखचंद कुर्रे , कुमार डिसुजा , अक्षय महिलांगे , कनक मनहरे सहित अन्य लोग उपस्थित थे उपरोक्त कार्यक्रम के पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा भाटापारा नगर के संत माताकर्मा वार्ड में आयोजित घासीदास जयंती समारोह में शामिल हुए । उक्त अवसर पर उनका पंथी नृत्य के साथ स्वागत किया गया उपरोक्त कार्यक्रम में भी मालिकराम टोंडे , कैलाश टोंडे , रेखचंद टोंडे, दशरथ चक्रधारी, संतराम मारकण्डेय , राजा गायकवार्ड , करन जांगड़े ,यशवंत बघेल निलेश टोंडे ,नरेन्द्र मनहरे , गोलु जोगी , देवनारायण , बंटी , फुलचंद मनहरे , ईश्वर जयसवाल सहित अन्य लोग मौजुद थे । कार्यक्रम के दौरान पंथी नृत्य पार्टी बारगांव व ग्राम गोरदी के पंथी पार्टी द्वारा आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।

मदकू द्वीप में छेरछेरा व पारंपरिक मेला का आयोजन संपन्न

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। प्रसिद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप, मदकू जो कि भाटापारा शहर से 12 किलोमीटर दुर स्थित है वहा परंपरागत छेरछेरा पुन्नी मेला श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में निरंतर जारी है। यह ऐतिहासिक एवं लोकआस्था से जुड़ा मेला आगामी 4 जनवरी 2026 को मातर पर्व के साथ विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। वर्षों से अनवरत आयोजित होता आ रहा यह मेला क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक माना जाता है, जिसमें प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीणजन एवं पर्यटक सहभागिता करते हैं। मेले के पावन अवसर पर दशकों से निरंतर शिव पुराण कथा का आयोजन भी किया जा रहा है। इस वर्ष कथा व्यास पंडित रवि शर्मा द्वारा भक्तों को भगवान शिव की महिमा, लीला और उपासना से ओत-प्रोत शिव पुराण कथा का भावपूर्ण, सरल एवं रसपूर्ण श्रवण कराया जा रहा उक्त घटना से सबक लेते हुए इस वर्ष पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था

को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मेले में पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य है कि छेरछेरा पुन्नी मेला शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर धार्मिक अनुष्ठानों एवं मेले का आनंद ले सकें। वहीं ग्रामीणजन भी प्रशासन से निरंतर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न होने देने की अपेक्षा कर रहे हैं। कुल मिलाकर, श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप, मदकू में आयोजित छेरछेरा पुन्नी मेला इस वर्ष भी श्रद्धा, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का संदेश देता हुआ क्षेत्रीय जनजीवन में उत्साह और उल्लास का संचार कर रहा है।

उप पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की बने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्यपालिक सेवा (2014 बैच) के उप पुलिस अधीक्षक श्री मनोज तिर्की को छत्तीसगढ़ शासन, गृह (पुलिस) विभाग, मंत्रालय रायपुर के आदेश क्रमांक एफ-2-16/दो-गृह/रापुसे/2025, दिनांक 30/12/2025 के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। पदोन्नति के उपलक्ष्य में दिनांक 31 दिसंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बीजापुर में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) श्री अमन कुमार झा द्वारा श्री मनोज तिर्की को एंब्लेम पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ पत्रकारगण अनिल सिंघानिया, पुरूषोत्तम अग्रवाल, फिरोज खान, गौरव बिंदल, मुकेश जोशी एवं श्रवण साहू ने श्री तिर्की के उज्ज्वल भविष्य, सफल कार्यकाल एवं सेवा-निष्ठा के लिए शुभेच्छाएँ प्रकट कीं।

वीर नारायण का बलिदान देशभक्ति का जीवंत प्रेरणादायक संदेश - अश्वनी शर्मा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर से 12 किलोमीटर दुर ग्राम अर्जुनी में आयोजित शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस के कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा शामिल हुए इस दौरान उन्होने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि वीर नारायण सिंह त्याग , संघर्ष , बलिदान के प्रतिक थे उनके बलिदान को भुलाया नही जा सकता। वीर नारायण सिंह की देशभक्ति से प्रेरणा लेकर समाज , गांव , क्षेत्र व राष्ट्र को मजबुत बनाने के लिए उन्होनें कार्य करने का आव्हान किया है उक्त अवसर पर सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन भी किया गया । कार्यक्रम में गोंड़ समाज टोनाटार चक के लोग बड़ी तादाद में मौजूद थे उपरोक्त मौके पर एम आर ध्रुव , दौलत राम कुंजाम , सुरेश

पैकरा , आकांक्षा जयसवाल , ईशान वैष्णव , वेदेश्वरी यादव , त्रिलोग यादव , कविता ध्रुव , श्रीराम मरकाम , रामप्रकाश नेताम , आर के कुंजाम , प्रमोद संकाल , विष्णु साहु सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

हटरी बाजार में सुलभ शौचालय का निर्माण जरूरी

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर में तत्कालिन नगर पालिका अध्यक्ष कै लाश अग्रवाल के अध्यक्षीय कार्यकाल में बनाए गए हटरी बाजार सुलभ शौचालय व मंडी समीप स्थित बस स्टैण्ड सुलभ शौचालय के स्थान पर नए सुलभ शौचालय बनाये जाने की आवश्यकता है । सन् 1984 में बने उक्त दोनो सुलभ शौचालय में से हटरी बाजार सुलभ शौचालय को ऊपरी छज्जा गिरने के कारण एक लंबे समय से बंद कर दिया गया है जिसके कारण हटरी बाजार ,सब्जी बाजार के सैकड़ो व्यवसायियों, फुटकर दुकानदारों व जन सामान्य लोगो को शौच क्रिया, लघु शंका व स्नान करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । हटरी बाजार

, सब्जी बाजार में ग्राम तरेंगा , कुलीपोटा व दुधिया नवागांव से सब्जी बेचने आए लोगो ने कहा है कि सुलभ शौचालय बंद होने से दैनिक क्रिया , लघुशंका में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठाना पड़ रहा है पुरूष वर्ग तो इधर - उधर जगह ठिकाने देखकर अपनी नित्यक्रिया निपटा लेते है लेकिन महिलाओं को लघुशंका के दौरान अपमानजनक स्थिति से गुजरना पड़ता है अत- लोकहित में नए सुलभ शौचालय का निर्माण हटरी बाजार व मंडी क्षेत्र के बस स्टैण्ड में शीघ्र कराने की मांग लोगो ने दुहराई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में संवर रहा बचपन

बच्चों की सेहत और भविष्य दोनों सुरक्षित

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखमरिया। आंगनबाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों और माताओं के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं। यहां बच्चों को पोषण, स्वच्छता, टीकाकरण और नियमित स्वास्थ्य जांच की समुचित सुविधाएं दी जा रही हैं। वार्ड क्रमांक 12 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की चहकती मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि योजना धरातल पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित हो रही है।

आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता मधु दुबे ने बताया कि आंगनबाड़ी योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की देखरेख के साथ-साथ गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं और पोषाहार उपलब्ध कराया जाता है। केंद्र पर

बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु पोषण आहार, प्रारंभिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। आंगनबाड़ी, जिसका अर्थ "आंगन का आश्रय" होता है, ग्रामीण भारत में बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल की रीढ़ है। यह केंद्र एकीकृत बाल विकास सेवा कार्यक्रम (ICDS) के अंतर्गत संचालित है, जिसका उद्देश्य कुपोषण से लड़ना और मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। यहां पोषण शिक्षा, स्वास्थ्य परामर्श, गर्भनिरोधक जानकारी, अनुपूरक पोषण एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा जैसी सेवाएं दी जाती हैं। केंद्र में 3 से 6 वर्ष आयु के कुल 15 बच्चे पंजीकृत हैं, जिनमें से 12 बच्चों की नियमित उपस्थिति दर्ज की गई। इसके साथ ही गर्भवती माताओं की देखरेख, संरक्षण एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत प्रथम संतान पर 5,000 रुपये तथा दूसरी संतान कन्या होने पर 6,000 रुपये की सहायता राशि दिलाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाती है, जिससे माताएं अपने बच्चों की बेहतर देखभाल कर सकें। प्रत्येक माह एक दिन अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है, वहीं गर्भवती महिलाओं के लिए पारंपरिक गोद भराई कार्यक्रम भी संपन्न होता है। नगर क्षेत्र में कुल 11 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से अधिकांश शासकीय भवनों में कार्यरत हैं। केंद्र के निरीक्षण के दौरान बच्चे प्रसन्न और सक्रिय नजर आए। आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के रूप में राजकुमारी सिन्हा सेवाएं दे रही हैं। कुल मिलाकर आंगनबाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्र में स्वस्थ बचपन और सशक्त मातृत्व की मजबूत नींव रख रहे हैं।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 कार्यक्रम के तहत आम जनों को यातायात नियमों का सदैव पालन करने हेतु दिया गया समझाइस

बलौदाबाजार। दिनांक 03.01.2026 को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 कार्यक्रम के तहत बस स्टैंड बलौदाबाजार के पास यातायात जागरूकता कार्यक्र म का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा आमजनों को यातायात नियमों का सदैव पालन करने हेतु समझाइस दिया गया। इसके साथ ही उनके द्वारा विशेष रूप से युवा वर्ग को दोपहिया वाहन चालन करते समय सदैव हेलमेट धारण करने हेतु हिदायत दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा हेलमेट का भी वितरण किया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमों की जानकारी प्रदान करते हुए जागरूकता पाम्पलेट का वितरण किया गया। साथ ही सड़क मार्ग में चलने वाले समस्त चार पहिया वाहन चालकों को सदैव सीट बेल्ट लगाने के लिए लगातार समझाइस दिया गया।

☛पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के तहत लोगों को यातायात नियमों की दी गई जानकारी

☛ यातायात नियमों की समझाइस देने के साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया हेलमेट का वितरण

भाटापारा को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए 'डोर टू डोर' कचरा संग्रहण में सहयोग करें- अश्वनी शर्मा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और भाटापारा को प्रदेश के अग्रणी स्वच्छ शहरों की श्रेणी में लाने के लिए नगरवासियों से विशेष अपील की है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे नगर पालिका द्वारा संचालित 'डोर टू डोर' (घर-घर) कचरा कलेक्शन अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि शहर की सफाई केवल सफाई कामगारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हर नागरिक का योगदान आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर जोर दिया कचरे का पृथक्करण घर से निकलने वाले कचरे को सूखा और गीला अलग-अलग डस्टबिन में रखें। इससे कचरे के निपटान में आसानी होती है।

गाड़ी का इंतजार करें कचरा इधर-उधर या खुले नालों में न फेंकें। जब नगर पालिका की कचरा संग्रहण गाड़ी आपके वार्ड में आए, तभी कचरा उन्हें सौंपें। प्रतिबंधित प्लास्टिक का त्याग सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें, क्योंकि यह पर्यावरण और नालियों की निकासी व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा है। स्वच्छता दूतों का सम्मान कचरा संग्रहण के लिए आने वाले स्वच्छता दीदियों और कर्मचारियों का सहयोग करें। अश्वनी शर्मा (अध्यक्ष) ने कहा "हमारा लक्ष्य भाटापारा को कचरा मुक्त और बीमारी मुक्त शहर बनाना है। यदि हर परिवार कचरा गाड़ी में ही कचरा डालने का संकल्प ले ले, तो हमारे शहर की गलियां और चौक-चौराहों की सूरत बदल जाएगी। आइए, हम सब मिलकर अपने भाटापारा को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।" नगर पालिका प्रशासन ने यह भी सूचित किया है कि यदि किसी वार्ड में कचरा गाड़ी समय पर नहीं पहुंच रही है या सफाई से जुड़ी कोई समस्या है, तो नागरिक सीधे नगर पालिका कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

भाटापारा क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए 07 करोड़ 68 लाख 78 हजार की राशि स्वीकृत

भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा जनता के सुगम आवागमन के लिए सड़कों का विस्तार हमारी प्राथमिकता

भाटापारा । छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से भाटापारा विधानसभा लगातार विकास की सौगातें पा रही है। वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा के सतत प्रयासों से क्षेत्र के सड़क निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग से 07 करोड़ 68 लाख 78 हजार रुपए की तीन मार्गो के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिसमे मर्राकोना-संजारी- नवागांव लम्बाई 03 किलोमीटर पुल पुलिया सहित 03 करोड़ 51 लाख 18 हजार रुपये,, दरचूरा-हथबंद मार्ग 03.50 किलोमीटर डामर मजबूतीकरण निर्माण कार्य 02 करोड़ 36 लाख 63 हजार रूपये एवं मुख्य मार्ग से पौसरी पहुंच मार्ग 01.65 किलोमीटर 01 करोड़ 80 लाख 97 हजार रूपये स्वीकृत हुए हैं। इससे पूर्व भी भाटापारा विधानसभा को विभिन्न विकास कार्यों के लिए करोडो रूपये की स्वीकृति मिली हैं,जिसका कार्य प्रगति पर हैं..

शिवरतन शर्मा ने उक्त स्वीकृति पर कहा कि यह कार्य सिर्फ सड़के नहीं, बल्कि जन-जन के जीवन को सरल और समृद्ध बनाने का संकल्प हैं। ग्रामीण अंचलों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं और जनसुविधाओं का चरणबद्ध विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

शिवरतन शर्मा ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि– "जनता के सुगम आवागमन हेतु सड़कों का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

नौशाद अली एक मषहूर म्यूज़िक कंपोज़र और डायरेक्टर थे

मौसीकार-ए-आज़म के नाम से मशहूर नौशाद अली एक मशहूर म्यूज़िक कंपोज़र और डायरेक्टर थे, जिन्हें खास तौर पर फ़िल्मों में क्लासिकल म्यूज़िक के इस्तेमाल को पॉपुलर बनाने के लिए जाना जाता था। छह दशकों से ज़्यादा के करियर के बावजूद, उन्होंने सिर्फ़ लगभग 70 फ़िल्मों के लिए ही म्यूज़िक बनाया, लेकिन उन्हें हिंदी सिनेमा के इतिहास के सबसे महान म्यूज़िक डायरेक्टर में से एक माना जाता है। भारतीय सिनेमा में नौशाद अली के आने की कहानी उनकी धुनों जितनी ही दिलचस्प है। नौशाद 25 दिसंबर, 1919 को लखनऊ में दुनिया में आए और उन्होंने अपने शुरुआती साल इस सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर में बिताए। उनके पिता, वाहिद अली, एक कोर्ट क्लर्क (मुंशी) के तौर पर काम करते थे। नौशाद के म्यूज़िक से शुरुआती जुड़ाव में बाराबंकी के देवा शरीफ़ मेले में सालाना जाना शामिल था, जहाँ मशहूर कव्वालों और संगीतकारों ने अपना टैलेंट दिखाया।

उनकी म्यूज़िक की पढ़ाई उस्ताद घुरबत अली, उस्ताद यूसुफ़ अली और उस्ताद बब्बन साहेब जैसे उस्तादों की देखरेख में इस ज़िंदादिल कल्चरल हब में हुई, जहाँ उन्होंने हारमोनियम ठीक करने का अपना हुनर भी निखारा। यह सब उनके पिता की मंजूरी के बिना हुआ। एक छोटे लड़के के तौर पर, नौशाद ने ज़बरदस्त तरक्की और काबिलियत दिखाई और एक जूनियर थिएटर क्लब का अहम हिस्सा बन गए, जहाँ उन्होंने उनके स्टेज प्रोडक्शन के लिए क्लब के म्यूज़िक उस्ताद की भूमिका निभाई।

नौशाद एक पुराने ख्यालों वाले घर में पैदा हुए थे जो म्यूज़िक और फ़िल्मों को पसंद नहीं करते थे। जब उनके पिता को उनके घर में एक छिपा हुआ हारमोनियम मिला तो वे मुश्किल में पड़ गए। उन्होंने उस इंस्ट्रूमेंट को तोड़ दिया और एक अल्टीमेटम दिया म्यूज़िक या परिवार। अपना पैशन चुनते हुए, नौशाद 1937 के आखिर में भाग गए और एक म्यूज़िशियन के तौर पर अपनी किस्मत आज़माने के लिए बॉम्बे चले गए।

बॉम्बे में, 18 साल के नौशाद ने खुद को अकेला पाया, बिना किसी दोस्त या रिश्तेदार के सहारे के। उस्ताद झंडे खान उनके लिए एक गाइड बन गए, उन्होंने उन्हें 40 रुपये महीने की सैलरी पर पियानो बजाने का रोल दिया। इसके बाद, उन्होंने म्यूज़िक डायरेक्टर मुश्ताक हुसैन और खेमचंद प्रकाश के साथ असिस्टेंट के तौर पर अनुभव हासिल किया। 1940 में, गीतकार और स्क्रीनप्ले राइटर डीएन मधोक ने नौशाद को भवनानी प्रोडक्शंस की "प्रेम नगर" के लिए एक इंडिपेंडेंट म्यूज़िक डायरेक्टर के तौर पर सपोर्ट किया।

नौशाद ने अपना म्यूज़िक का सफ़र जारी रखा, 11 और फ़िल्मों के लिए कंपोज़िशन बनाए, जिससे फ़िल्म इंडस्ट्री में उनकी जगह लगातार मज़बूत होती गई। हालाँकि, 1944 की फ़िल्म "रतन" ने उन्हें तुरंत सुपरस्टार बना दिया। फ़िल्म का साउंडट्रैक एक सेंसेशन बन गया, जिससे यह साल की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फ़िल्म बन गई। इस सफलता के साथ, नौशाद का नाम पूरे भारत में घर-घर में गूंजने लगा। ज़ोहराबाई अंबालावाली की आवाज़ में "अखियाँ मिलाके जिया भरमाके" जैसे गाने आज भी याद किए जाते हैं।

इसके बाद शाहजहां (1946), अनमोल घड़ी (1946), दर्द (1947), मेला (1948), और अंदाज़ (1949) जैसी कई फ़िल्मों के लिए हिट गाने आए। नूरजहां की दिल को छू लेने वाली आवाज़ में महबूब खान की अनमोल घड़ी का दर्द भरा गाना "आवाज़ दे कहाँ है" आज भी याद किया जाता है, और दशकों तक, दीवा के कॉन्सर्ट में यह शानदार गाना ज़रूर बजता था। दर्द (1947) में, नौशाद साहब के गानों को शकील बदायूंनी के शब्दों में अपना हमसफ़र मिला।

इसके बाद दिलीप कुमार और नरगिस स्टारर मेला (1948) आती है, जिसमें "ये ज़िंदगी के मेले," "गए जा गीत मिलन के तू अपनी लगन के," और "शायद वो जा रहे हैं, छुप कर मीरी नज़र से" जैसे गाने हैं। ए. आर. कारदार की "दुलारी (1948)," जिसमें मधुबाला, सुरेश और गीता बाली ने एक्टिंग की थी, उसमें रफी का सबसे अच्छा गाना "सुहानी रात ढल चुकी" है।

जब नौशाद ने लता मंगेशकर को 'अंदाज़' में 'उठाए जा उनके सितम' गाना दिया, तो शक था कि क्या एक महाराष्ट्रियन लड़की उर्दू ग़ज़ल के साथ न्याय कर पाएगी। महबूब खान समेत कई लोगों की आपत्तियों के बावजूद, नौशाद ने यह चुनौती स्वीकार की। उन्होंने लता जी को कड़ी ट्रेनिंग देने, उनके बोलने के तरीके और उच्चारण को बेहतर बनाने और उन्हें गाने के नोट्स से परिचित कराने में कई दिन लगाए। जब लता तैयार हो गईं, तो उन्होंने एक ही टेक में बिना किसी गलती के गाना गाया, जिससे कोई भी शक दूर हो गया।

1950 में 'बाबुल' आई, जिसमें 'छोड़ बाबुल का घर' और 'मिलते ही आँखें दिल हुआ दीवाना किसी का' जैसे गाने हैं। दिलीप कुमार की शानदार परफॉर्मेंस के अलावा, "दीदार (1951)" में "हुए हम जिनके लिए बर्बाद," "चमन में रखे वीराना," और "मेरी कहानी भूलने वाले" जैसे गाने थे, जिसने "दीदार" को मेगा-हिट बना दिया।

"आन (1952)" में, जिसमें "दिल में छुपके प्यार का तूफान ले चले" और "मान मेरा एहसान, अरे नादान" जैसे गाने हैं, नौशाद ने सौ लोगों के ऑर्केस्ट्रा के साथ एक्सपेरिमेंट किया–इंडियन फिल्म म्यूजिक में पहली बार। यह पहली बार भी था जब इंडियन फिल्म म्यूजिक वेस्टर्न नोटेशन में लिखा गया था, जिसे लंदन में एक किताब के रूप में पब्लिश किया गया था। फिर "बैजू बावरा (1952)" आती है, जिसने नौशाद की क्लासिकल म्यूजिक की समझ और इसे आम लोगों तक पहुंचाने की उनकी काबिलियत को दिखाया। बैजू बावरा के गाने रागों से प्रेरित थे, और उन्होंने बैजू बावरा में आमिर खान और डी.वी. पलुस्कर जैसे जाने-माने क्लासिकल कलाकारों को भी लिया। उन्होंने 1954 में बैजू बावरा के लिए पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट म्यूज़िक डायरेक्टर अवॉर्ड जीता। इस फ़िल्म में "मन तड़पत हरि दर्शन को आज," "ओ दुनिया के रखवाले," "दूर कोई गए," "तू गंगा की मौज में जमाना का धारा," और "दूर कोई गए धुन यह सुनाए" जैसे शानदार गाने हैं।

1950 के दशक की शुरुआत तक, नौशाद ने इंडस्ट्री में नंबर वन के तौर पर अपनी पहचान बना ली थी। वह सबसे ज़्यादा पैसे लेने वाले कंपोज़र थे और इस बात का ध्यान रखते थे कि कौन सी फ़िल्में लेनी हैं। टाइटल में नौशाद का नाम होने से ही फ़िल्म की सफलता पक्की हो जाती थी। नौशाद के गाने इतने पॉपुलर थे कि जब उनकी शादी हुई, तो उनके साथ दुल्हन के घर गए बैंड ने उनकी सारी धुनें बजाईं, उन्हें पता नहीं था कि वे उनके रि एटर हैं।

1954 में महबूब खान की "अमर" आई, जो 1954 में आई थी और इसमें दिलीप कुमार, मधुबाला और निम्मी ने एक्टिंग की थी। अमर के गाने, जैसे "तेरे सड़के बलम न कर कोई गम," "न मिलता गम ताऊ बर्बादी के अफसाने कहाँ जाते," और "उमंगों को सखी पी की नगरिया कैसे ले जाऊं," आज भी प्यार से गुनगुनाए जाते हैं।

नौशाद साब की अगली फिल्म उनकी सबसे बड़ी फिल्म, "मदर इंडिया" थी, जिसमें नौशाद साब ने हमें "दुनिया में हम आए हैं," "दुख भरे दिन बीते रे," "ओ गाड़ीवाले," "नागरी नगरी द्वारे द्वारे," और होली के सबसे बेहतरीन गानों में से एक, "होली आई रे कन्हाई" जैसे गाने दिए।

अपने शुरुआती दिनों में, नौशाद ने कई सिंगर्स के साथ काम किया, लेकिन जब उन्हें लगा कि लता मंगेशकर और रफी तैयार हैं, तो उन्होंने अपने लगभग सभी सोलो और डुएट उन्हें दे दिए। दूसरे कंपोज़र्स जो हमेशा उनसे प्रेरणा लेते थे–उनमें से कुछ तो जलते भी थे–ने भी ऐसा ही किया। इससे यह जोड़ी प्लेबैक सिंगिंग के किंग और क्वीन बन गई। 1960 का दशक सुपरहिट कॉमेडी "कोहिनूर" से शुरू हुआ, जिसमें दिलीप कुमार और मीना कुमारी लीड एक्टर थे। "मधुबन में राधिका नाचे रे" का क्लासिकल कंपोज़िशन और "दो सितारों का ज़मीन पर है मिलन आज की रात" जैसे दूसरे गाने आज भी म्यूज़िक लवर्स को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

कोहिनूर के बाद के. आसिफ की मैग्नम ओपस मुगल-ए-आज़म (1961) आई, जिसमें "ऐ मोहब्बत ज़िंदाबाद" गाने में उन्होंने 100 लोगों के कोरस का इस्तेमाल किया था। उन्होंने उस्ताद बड़े गुलाम अली खान साहब को "प्रेम जोगन बन जा" और "शुभ दिन आयो" में तानसेन की आवाज़ में गाने के लिए भी मना लिया। इसके बाद उन्होंने हमें हिंदी सिनेमा के सबसे पॉपुलर देशभक्ति गानों में से एक, "इंसाफ की डगर पे" दिया, जो दिलीप कुमार की फिल्म गंगा जमुना (1961) में था। इस फिल्म में "दो हंसों का जोड़ा", "नैन लड़ जइहें तो" और "ढूंढो ढूंढो रे सजना" जैसे मशहूर गाने भी हैं। उनके कुछ अन्य प्रसिद्ध गीत हैं "तुम्हारे संग मैं भी चलूंगी" (सोनी महिवाल), "याद में तेरी," "मेरे महबूब तुझे," ए-हुस्न जरा जाग (मेरे महबूब), "अपनी आजादी को हाँ," "मुझे दुनिया वालों (लीडर), "कोई सागर दिल को बहलाता नहीं" "गुजरे हैं आज इश्क में (दिल दिया दर्द लिया), "जोगन बन जाऊंगी सैयां तोरे कारन," "चंदन का पालना रेशम की डोर," "आए ना बलम वादा करके" (शबाब), "मोरे सैयां जी उतरेंगे पार" (उड़न खटोला), "नन्हा मुन्ना राही हूं" (भारत का बेटा), "आज की रात मेरे दिल की" "बलम तेरे प्यार की ठंडी आग में जलते जलते मैं," "धीरे धीरे बोल, कोई सुन लेगा सजना" (राम और श्याम)," "जानेवाले तेरा खुदा हाफ़िज़ (पालकी)," "ना आदमी का कोई भरोसा," "आज पुरानी राहों से (आदमी)," "जब दिल से दिल टकराता है" "इश्क दीवाना, हुस्न भी घायल" "मेरे पैरों में घुंघरू" (सुंघुरश), "मेरा प्यार भी तू है" (साथी), और भी बहुत कुछ।

क्लासिकल रागों और लोक संगीत, खासकर अवधी लोक संगीत के अलावा, नौशाद का संगीत नौहा गारी और मर्सिया ख्वानी (इमाम हुसैन की शहादत को याद करने के लिए पारंपरिक रूप से गाए जाने वाले गीत) की पुरानी परंपरा से भी प्रभावित था। क्योंकि लखनऊ मुहर्रम का सेंटर था, इसलिए वहां नौहा और मर्सिया की कला बहुत डेवलप हुई, जिसका बेस क्लासिकल संगीत था लेकिन बिना इंस्ट्रूमेंट्स के।

जब पाकीज़ा (1972) के म्यूज़िक डायरेक्टर गुलाम मुहम्मद गुज़र गए, तो नौशाद ने ही पूरा ट्रैक पूरा किया और पूरा बैकग्राउंड म्यूज़िक भी दिया, जिसमें राजकुमारी का "नजरिया की मारी", वाणी जयराम का "मोरा साजना", और बेगम परवीन सुल्ताना का "कौन गली गयो श्याम" जैसे क्लासिकल गाने शामिल हैं।

पाकीज़ा का टाइटल म्यूज़िक, जिसे तराना-ए-पाकीज़ा के नाम से जाना जाता है, एक बहुत ही खास काम है, जिसमें लता की ज़बरदस्त आवाज़ और म्यूज़िक के बीच-बीच में अलाप के साथ एक अनोखा असर पैदा होता है।

नौशाद ने सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशक में कुछ फ़िल्मों के लिए म्यूज़िक बनाया, लेकिन हिंदी फ़िल्म म्यूज़िक के शानदार रिवाज़ों में गिरावट देखकर वे काफ़ी निराश थे।

गंगा-जमुनी मेलजोल के मूल्यों की गहरी तारीफ़ करने वाले नौशाद, जिनका 5 मई, 2006 को निधन हो गया, गर्व से "बैजू बावरा" के भजन "मन तरपत हरि दर्शन को" को "एक मुस्लिम का लिखा, एक मुस्लिम का बनाया और एक मुस्लिम का गाया" कहते थे।

नौशाद साब को भारतीय सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए पद्म भूषण और दादा साहब फाल्के अवॉर्ड समेत कई बड़े सम्मान मिले। इसके अलावा, उन्हें लता मंगेशकर अवॉर्ड, अमीर खुसरो अवॉर्ड और संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड से भी पहचान मिली।

नौशाद साब का 5 मई 2006 को मुंबई में 86 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया और उन्हें जुहू मुस्लिम कब्रिस्तान में दफ़नाया गया। नौशाद साब ने अपनी धुनों में क्लासिकल म्यूज़िक रागों और लोक धुनों को मिलाकर और साथ ही वेस्टर्न नोटेशन को शामिल करके पॉपुलर फ़िल्म म्यूज़िक में क्रांति ला दी। अपने काम पर उनकी ज़बरदस्त पकड़ की वजह से उन्हें मौसीकार-ए-आज़म यानी महान संगीतकार की उपाधि मिली।

दुर्ग में सड़क हादसों-मौतों में रिकॉर्ड गिरावट, ऑपरेशन सुरक्षा का असर, 2025 में पुलिस ने काटे 1.22 लाख चालान, 3.83 करोड़ राजस्व मिला

ब्यूरोचीफ रतन कुमार

दुर्ग। दुर्ग जिले में यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सुरक्षा अभियान के तहत वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। लगातार चेकिंग, सख्त चालानी कार्रवाई और ब्लैक स्पॉट पर सुधार कार्यों के कारण यह अभियान बेहद प्रभावी साबित हुआ। अभियान के तहत, दुर्ग यातायात पुलिस ने वर्ष 2025 (जनवरी से दिसंबर) के दौरान कुल 1 लाख 22 हजार चालानी कार्रवाई की। यह आंकड़ा वर्ष 2024 में काटे गए 60,215 चालानों की तुलना में लगभग दोगुना है। पुलिस ने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सख्ती से कार्रवाई की।

चालानी से 2025 में पुलिस को मिला 3.83 करोड़ रुपए

वर्ष 2025 में चालानी कार्रवाई से यातायात पुलिस दुर्ग को कुल 3 करोड़ 83 लाख 61 हजार 900 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। यह राशि वर्ष 2024 के 1 करोड़ 97 लाख 14 हजार रुपए के राजस्व से लगभग दोगुनी है।

ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में न्यायालय द्वारा 1 करोड़ 39 लाख 99 हजार 800 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। पुलिस के अनुसार, यह राजस्व वसूली से अधिक लापरवाह ड्राइविंग पर अंकुश लगाने का एक प्रभावी माध्यम है।

पुलिस का ड्रिंक एंड ड्राइव पर खास जोर

यातायात पुलिस ने सड़क हादसों के प्रमुख कारण 'ड्रिंक एंड ड्राइव' पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। वर्ष 2025 में, 1370 ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले दर्ज किए गए, जिनमें कई वाहन जब्त कर सीधे न्यायालय भेजे गए। इस सख्ती से नशे में वाहन चलाने की प्रवृत्ति में कमी आई और रात के समय होने वाले हादसों पर नियंत्रण हो सका। ऑपरेशन सुरक्षा के दौरान रोजमर्रा की लापरवाही पर भी सख्त कार्रवाई की गई।

वर्ष 2025 में किए गए प्रमुख चालान इस प्रकार हैं

बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 20,235 चालान

बिना सीट बेल्ट 7,238 चालान

रैश ड्राइविंग -1,685 प्रकरण

काली फिल्म - 181 प्रकरण

मालवाहक वाहन में सवारी -378 प्रकरण

अन्य यातायात उल्लंघन -90,913 मामले

इन आंकड़ों से साफ है कि पुलिस ने हर स्तर पर नियमों के पालन को प्राथमिकता दी।

ब्लैक स्पॉट पर बड़ा सुधार, मौतों में भारी गिरावट

ऑपरेशन सुरक्षा का सबसे बड़ा सकारात्मक परिणाम दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक और ग्रे स्पॉट) पर देखने को मिला।

आंकड़ों के अनुसार

- वर्ष 2024 में ब्लैक स्पॉट पर 23 लोगों की मौत

- वर्ष 2025 में ब्लैक स्पॉट पर सिर्फ 3 मौतें

- सड़क इंजीनियरिंग सुधार, साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर और लगातार निगरानी ने इन इलाकों को काफी हद तक सुरक्षित बनाया।

नववर्ष पर सख्त पहरा, एक भी सड़क हादसा नहीं

31 दिसंबर 2025 और 1 जनवरी 2026 को नववर्ष के मद्देनज़र दुर्ग जिले में विशेष पेट्रोलिंग और चेकिंग अभियान चलाया गया। बैरिकेडिंग कर संदिग्ध और नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की जांच की गई।

इस दौरान

बिना हेलमेट - 165

ड्रिंक एंड ड्राइव- 31

रैश ड्राइविंग - 14

बिना सीट बेल्ट - 38

ओवर स्पीडिंग - 25

कुल चालान - 366

कुल समन शुल्क - 86,400

सबसे अहम बात यह रही कि इन दो दिनों में जिले में एक भी सड़क दुर्घटना दर्ज नहीं हुई।

पुलिस की अपील- नियम पालन ही सबसे बड़ी सुरक्षा

यातायात पुलिस दुर्ग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, गति सीमा का पालन करें और यातायात नियमों का सम्मान करें।

आबकारी-विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर 6.51 लाख ठगे

जितनी ऊंची पोस्ट उतना ज्यादा पैसा कहकर झांसे में लिया, 5 लोग फंसे

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग। दुर्ग जिले में नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े 6 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ओमकुमार सिन्हा (31 साल) ने खुद को प्रभावशाली बताकर युवकों और उनके परिचितों से ऑनलाइन व नकद रकम वसूल की थी। उसने पीड़ित को आबकारी विभाग व शराब दुकान में नौकरी लगवाने की बात और जितना ज्यादा ऊंची पोस्ट उतना ज्यादा पैसा कहकर झांसे में लिया था। मामला धमधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार।

झांसे में लेकर पैसे लिए

जानकारी के अनुसार, धमधा के सोनकर पारा के रहने वाले घनश्याम सोनकर (31 साल) ने 1 जनवरी 2026 को प्रार्थी थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें उन्होंने बताया कि राजनांदगांव के रहने वाले ओमकुमार सिन्हा ने उसे और उसके परिचितों को आबकारी विभाग व शराब दुकान में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया था। आरोपी ने कहा था कि उसकी विभाग में अच्छी पकड़ है और कुछ ही समय में नौकरी लग जाएगी। जिसके झांसे में आकर प्रार्थी और उसके परिचितों ने अलग-अलग माध्यमों से उसे रकम दी।

ऑनलाइन और कैश में लिए पैसे

रिपोर्ट के अनुसार, शुभम सोनकर से 1 लाख रुपए, गजेंद्र सोनकर से 90 हजार रुपए, प्रियांश सोनकर से 12 हजार रुपए और हेम सिंह साहू से 1 लाख 20 हजार रुपए फोन-पे व स्कैनर के माध्यम से दिए गए। इसके अलावा, प्रियांश सोनकर से 1 लाख 8 हजार रुपए नकद, गजेंद्र सोनकर से 30 हजार रुपए नकद और नागेश नामक व्यक्ति से 37 हजार रुपए नकद लिए गए। इस प्रकार आरोपी ने कुल 6 लाख 51 हजार 817 रुपए की ठगी की।

नौकरी नहीं लगी तो की शिकायत

काफी समय बीत जाने के बाद भी जब न तो नौकरी लगी और न ही रकम वापस की गई, तब पीड़ितों को धोखाधड़ी का एहसास हुआ। इसके बाद घनश्याम सोनकर ने थाना धमधा में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी ओमकुमार सिन्हा उर्फ ओमप्रकाश (31 साल) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर रकम लेने और धोखाधड़ी करने का अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

नए साल पर पंजाब से हेरोइन लाकर बेच रहे थे 19 गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग। नए साल के दूसरे दिन पुलिस ने पंजाब से हेरोइन लाकर बेचने वाले दो गिरोहों को जामुल और खुर्सीपार थाना क्षेत्र से पकड़ा है। इनमें एक महिला समेत 9 आरोपी शामिल हैं। उनके कब्जे से पुलिस ने 51.73 ग्राम हेरोइन और 281.85 ग्राम डोडा समेत 8.91 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी, कार और 9 मोबाइल जब्त किए हैं। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि थाना जामुल क्षेत्र के ढांचा भवन कुरूद निवासी महिला अपने पुत्र किशन सिंह के साथ पंजाब से चिट्टा मंगवाकर बेच रही है। टीम ने आरोपी महिला के घर से 33.360 मिली ग्राम चिट्टा और 281.85 ग्राम डोडा बरामद किया। पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि वह पंजाब से चिट्टा मंगाकर 20 हजार रुपए प्रति ग्राम में बेचती है। ग्राहक तक चिट्टा पहुंचाने का काम उसका बेटा किशन करता है। महिला से बिक्री की रकम 8 लाख 90 हजार 400 रुपए बरामद की गई।

इसी तरह खुर्सीपार थाना क्षेत्र में मिनी स्टेडियम सुलभ के पास आरोपी मिथलेश पाठक और परमेश्वर ठाकुर उर्फ पिन्टू डेफिनेट के पास से क्रमशः 8 ग्राम औश्र 6 ग्राम सिंथेटिक नशा चिट्टा मिला। पूछताछ पर उन्होंने ने बताया कि हाल ही में पंजाब से चिट्टा लाए थे। उन्होंने जोन-3 खुर्सीपार निवासी किशन सिंग (25 वर्ष), मिथिलेश पाठक (43 वर्ष), परमेश्वर ठाकुर (25 वर्ष), इंदिरा नगर, खुर्सीपार निवासी दीपक कुमार (36 वर्ष), सेक्टर 1 निवासी निहाल राव (19 वर्ष), देवार मोहल्ला, खुर्सीपार निवासी लोकेश अवस्थी (21 वर्ष), केनाल रोड, खुर्सीपार निवासी मो. अल्ताफ (24 वर्ष) और मसान चौक, न्यू खुर्सीपार निवासी रणदीप सिंह (23 वर्ष) समेत अन्य को चिट्टा बेचा है। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर सभी खरीदारों को पकड़ लिया गया। अन्य खरीदार और विक्रेताओं की तलाश जारी है।

दुसरे की जमीन को अपना बताकर 50 लाख रूपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा। शहर पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर दुसरे की जमीन को बिक्री करने के नाम पर 50 लाख रूपये की राशि बयाना के तौर पर लेकर कुटरचना से दस्तावेज तैयार करने एवं धोखधड़ी करने वाले तीन लोगो को धर दबोचा है उक्त सबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जमीन व्यवसायी राधेश्याम आर्य निवासी संतकवर राम वार्ड से ग्राम सांकरा तहसील तिल्दा में अच्छी उपजाऊ जमीन बिक्री हेतु उपलब्ध है की बात कहकर व जमीन का नक्सा आदि लेकर भाटापारा शहर में जमीन खरीदार राधेश्याम आर्य के साथ 68 लाख रूपये प्रति एकड़ के भाव से जमीन खरीदने का सौदा फायनल किया गया और इसके लिए ईकरार नामा करते हुए उक्त जमीन के पेटे 50 लाख रूपयें बयाना ले लिये गये। 10 व 11 मार्च 2025 को राधेश्याम आर्य द्वारा अपने स्तर पर पता किया गया कि उक्त जमीन का सौदा क्या वास्तव में मालिक द्वारा किया गया है जिसपर यह ज्ञात हुआ कि उपरोक्त जमीन के लिए कुट रचित दस्तावेज तैयार कर षडयंत्र पूर्वक पूर्व प्लान से योजना बद्ध ढंग से जमीन का सौदा कर बयाना प्राप्त कर लिया गया है। उक्त प्रकरण में पुलिस ने पहले लक्ष्मण चौहान को गिरफ्तार किया जिसके द्वारा उपरोक्त जमीन को अपना बताकर बयाना लिया गया किंतु उक्त प्रकरण में शामिल अन्य लोग पुलिस पकड़ से बाहर थे । पुलिस ने लक्ष्मण चौहान से सघन पुछताछ शुरू कि तब विस्तृत पुछताछ एवं परिस्थिति जन्य सबुत के आधार पर प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों के नाम सामने आया जिसमें ग्राम झरगांव थाना देवज़ेग जिला गरियाबंद निवासी जनार्दन नेताम वर्तमान निवास फ्लैट न. 43 एसएस प्लाजा जैनम विहार कॉलोनी लालपुर थाना टिकरापारा रायपुर तथा रमनलाल नादिया निवासी श्रीराम नगर चंगोराभाठा थाना क्षेत्र दिनदयाल उपाध्याय नगर रायपुर एवं सुनिल अग्रवाल निवासी नांदघाट को हिरासत में लेकर पुछताछ किया जिन्होनें पुलिस पुछताछ में बताया कि उन सभी ने योजना बनाकर फर्जी आधार कार्ड एव अन्य फर्जी दस्तावेज तैयार करते हुए भाटापारा के राधेश्याम आर्य के साथ जमीन खरीदी बिक्री के नाम पर धोखाधड़ी कर बयाना की रकम प्राप्त किया है ।

अमित पटले भाटापारा के नये थानेदार होंगे

भाटापारा। पुलिस अधिक्षक ने प्रशासनिक दृष्टिक ेाण से अनेक नगर निरीक्षको के तबादले किये है जिसमें भाटापारा शहर में पदस्थ टी आई प्रवीण मिंज को थाना गिधौरी स्थानांतरित किया है उनके स्थान पर अमित पटले भाटापारा के नये थानेदार बनाये गये है वहीं भाटापारा ग्रामीण थाना में पदस्थ लखेश केवट को सिमगा थाना प्रभारी बनाया गया है उनके रिक्त स्थान पर हेमंत पटेल को पलारी से भाटापारा ज़ेजा गया है इसी प्रकार पुलिस सहायता केन्द्र निपनिया में पदस्थ गोकुल पटेल को राजा देवरी थाना का प्रभार सौंपा गया है उनके स्थान पर नवीन शुक्ला निपनिया चौंकी प्रभारी बनाये गये है।

पालिका ने बकाया कर दाताओं से टैक्स जमा करने की अपील की

भाटापारा। नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर के समस्त सम्पति करदाताओं और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स स्वामियों सहित सभी जलशुल्क बकायादारों से अपने सभी बकाया करो का भुगतार समय पर करने की अपील की है। निर्धारित समय पर बकाया करो का भुगतान नही करने वाले तमाम टैक्स बकायादारों के नल कनेक्शन विक्षेद करने व बड़े बकायादारों के संपत्ति कुर्क करने जैसी विधिसम्मत कार्यवाही की चेतावनी दी गई है ।

निधन

सी.ए. श्री मुकुंद अग्रवाल

थानखम्हरिया। बीते दिवस मेन रोड मोवा निवासी, सी.ए. श्री मुकुंद अग्रवाल का आकस्मिक निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से परिवारजनों, संबंधियों एवं शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त है।

स्वर्गीय श्री मुकुंद अग्रवाल का अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशान घाट में संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिवारजनों, नगर के गणमान्य नागरिकों एवं रिश्तेदारों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वे पलाश अग्रवाल के पिता, ओमप्रकाश एवं राजेन्द्र अग्रवाल के छोटे भाई तथा संतोष, जितेन्द्र, विनोद, डॉ. कमलेश, डॉ. विजय, अजय, अमन एवं श्याम के प्रिय चाचा थे। अपने सौम्य व्यवहार, सरल स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे समाज में विशेष सम्मान रखते थे।

स्वर्गीय श्री अग्रवाल अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से न केवल परिवार बल्कि नगर के सामाजिक एवं व्यावसायिक जगत को भी अपूरणीय क्षति पहुंची है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

थाना खम्हरिया पुलिस टीम की बड़ी कार्यवाही

पशु क्रूरता एवं पशु परिवहन निवारण अधिनियम मामले में आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। हरिश चौहान कारेसरा थाना खम्हरिया में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वाहन क्रमांक सीजी 04 क्यू.सी 5927 के वाहन चालक सुनील साहू पिता कोदु साहू निवासी ग्राम रमपुरा के द्वारा वाहन के डाला के पीछे 02 नग भैंसा को निर्दयता पूर्वक बिना चारा पानी के भरकर बिना किसी कागजात के अवैध रूप से ले जाते पकड़ा गया है कि रिपोर्ट पर अपराध धारा - 4,6,10 छ.ग. कृषक पशु क्रू. परी. अधि.2004, 11 पशुओं के प्रति क्रू. का निवारण अधिनियम 1960, सदर पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा श्री रामकृष्ण साहू (IPS) के निर्देशन एवं एसडीओपी बेमेतरा श्रीमती कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया।

प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी सुनील साहू से पुछताछ करने पर पता चला कि अवैध लाभार्जन के उद्देश्य से वाहन के डाला के पीछे 02 नग भैसा को ग्राम बेरा के लुकदास घृतलहरे उर्फ मिटटू के कहने पर भरना। आरोपी के कब्जे से एक पुरानी इस्तेमाली वाहन क्रमांक सीजी 04 क्यू.सी.5927, कीमती 10 लाख रूपए, 02 नग भैसा कीमती 50 हजार रूपये, एक नग मोबाईल कीमती 7000/- रूपये, जुमला कीमती 10 लाख 57 हजार रूपये को जप्त किया गया। प्रकरण में धारा 54 (1),54 (2),54 (3), 48,47 (ए) पशु परीवहन अधिनियम 1978, धारा 66/192 मोटर व्हीक्ल एक्ट जोडी गई। प्रकरण में फरार आरोपी की पता तलाश जारी है। प्रकरण में आरोपी सुनील साहू पिता कोदू साहू उम्र 26 साल साकिन ग्राम रमपुरा पुलिस चौकी खण्डसरा थाना व जिला बेमेतरा को दिनांक 30.12.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, प्रधान आरक्षक अजय लहरे, आरक्षक महेन्द्र सोनवानी, सौरभ सिंह, बलदेव निषाद सहित थाना खम्हरिया के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। फिलहाल रामकृष्ण गौशाला के संरक्षण में रखी गई है

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बने लक्ष्मीनारायण सोनी

ब्यूरो चीफ संतोष साहू

भाटापारा। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की शासन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिमांशु डेविड राज एवं राष्ट्रीय सचिव अरविंद बगडगेरी ने छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष(कानून प्रवर्तक) के रूप में लक्ष्मीनारायण सोनी को नियुक्त किया है। लक्ष्मीनारायण सोनी की नियुक्ति से सभी वर्ग के लोगों में हर्ष व्याप्त है। विदित हो कि नगर के ज्वेलरी संचालक और वृन्दावन कालोनी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण सोनी लगभग 10 वर्ष पूर्व सन 2015 में भी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे चुके है।इस वर्ष भी उन्हें प्रदेश की पुनः कमान मिलने पर लक्ष्मीनारायण सोनी ने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूर्व की भांति उनके संज्ञान में जो भी विषय आयेंगे,उस पर वे निश्चित रूप से सम्पूर्ण जांच के पश्चात आवश्यक निर्णय लेंगे। श्री सोनी ने बताया कि उनकी नियुक्ति के पश्चात उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व से प्रदेश की टीम का शीघ्र गठन करने का अनुरोध किया है ताकि मानव संरक्षण पर उनकी टीम पैनी निगाह रखकर आवश्यक कदम उठा सके। इस बीच लक्ष्मीनारायण सोनी के पुनः अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पर ताज पोशी होने पर अंचल में हर्ष व्याप्त है और विभिन्न संगठन के पदाधिकारियों,सदस्यों सहित चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, राष्ट्रीय सदस्य अल्पसंख्यक आयोग श्री प्रकाश मोदी, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री आशीष जायसवाल ,वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा , संतोष अग्रवाल, कोमल शर्मा ,तजीव अरोरा, श्रेणीक गोलछा, संतोष सोनी, यशवंत अग्रवाल,एवं अनेक शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है।

जनगणना 2027 की तैयारियाँ तेज

ग्रामों की भौगोलिक सीमा के भू-संदर्भीकरण को लेकर जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर हुई समीक्षा बैठक

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। आगामी जनगणना 2027 के सफल, सटीक एवं पारदर्शी आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रामों की भौगोलिक सीमा एवं स्थिति के शुद्ध भू-संदर्भीकरण से संबंधित जिला स्तरीय बैठक आज आयोजित होकर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यह बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री दीप्ति वर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में जनगणना कार्य से जुड़े संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गूगल अर्थ प्रो के माध्यम से तकनीकी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा

बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ग्रामों की भौगोलिक सीमाओं के सटीक चिन्हांकन, डिजिटल मैपिंग एवं डेटा शुद्धता पर विस्तृत चर्चा की गई। गूगल अर्थ प्रो सॉफ्टवेयर के माध्यम से भू-संदर्भीकरण की तकनीकी प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए इसकी उपयोगिता एवं सावधानियों की जानकारी दी गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ग्राम सीमाओं का सही एवं त्रुटिरहित भू-संदर्भीकरण जनगणना 2027 की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अर्धदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई

बैठक के दौरान यह भी अवगत कराया गया कि जनगणना निदेशालय द्वारा नियुक्त जिला नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में आज प्रातः 11:00 बजे, कलेक्टर कार्यालय स्थित दिशा सभा कक्ष, बेमेतरा में गूगल अर्थ प्रो आधारित अर्धदिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

तकनीकी दक्ष कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य

बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी संबंधित कार्यालय उक्त प्रशिक्षण में अपने-अपने विभाग से तकनीकी रूप से दक्ष कर्मचारी (जनगणना लिपिक) की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करें, जिससे ग्रामों के भू-संदर्भीकरण का कार्य समयबद्ध एवं त्रुटिरहित रूप से पूर्ण किया जा सके।

जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जनगणना 2027 से जुड़े सभी कार्यों की सतत समीक्षा एवं निगरानी जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी। निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एएसपी ज्योति सिंह का पदोन्नति पर स्थानांतरण, 'सेनानी 21वीं वाहिनी' करकाभाट जिला बालोद होने पर गरिमामयी समारोह में दी गई विदाई एवं किया गया सम्मान

एएसपी बेमेतरा श्रीमती ज्योति सिंह का पदोन्नति स्थानांतरण पर एसएसपी बेमेतरा श्री रामकृष्ण साहू ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस जिले में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह का पदोन्नति पर स्थानांतरण सेनानी, 21वीं वाहिनी करकाभाट जिला बालोद के लिए कार्यमुक्त किया गया। उन्हें बेमेतरा में गरिमामयी विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन कर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.), डीएसपी श्री राजेश कुमार झा, एसडीओपी श्री विनय कुमार, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, रक्षित निरीक्षक श्री प्रवीण खलखो, श्री पीयूष अवधिया व थाना/चौकी प्रभारियों ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया एवं उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई। साथ ही पदोन्नति स्थानांतरण पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए, उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की गई। स्थानांतरित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह का जिले में लगभग 02 वर्षो का बहुत अच्छा कार्यकाल रहा। अनेक गंभीर मामलों में उनके पर्यवेक्षण से उल्लेखनीय सफलता मिली।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह ने बेमेतरा जिले में बिताए अपने अनुभव को उपस्थित स्टाफ के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि सेवाकाल के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों एवं अधीनस्थ व साथी अधिकारियों/कर्मचारियों का उन्हें पूरा सहयोग मिला। जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई, उसे उन्होंने पूरी लगन व ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया।

एसएसपी बेमेतरा श्री रामकृष्ण साहू ने उनके कार्यों की प्रशंसा एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि स्थानांतरण नौकरी का हिस्सा होता है। अधिकारी या कर्मचारी जहां कहीं भी जाता है, वहां से कुछ न कुछ जरूर सीखता है। उन्होंने कहा कि काम करने में आनंद तभी आता है, जब जनता का सहयोग मिलता है। एएसपी श्रीमती ज्योति सिंह ने अच्छे कार्यों से जनता का विश्वास जीता। उन्होंने अपराधों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण का सार्थक प्रयास किया। एएसपी श्रीमती ज्योति सिंह ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई।

उनके सेवा काल के दौरान किए कार्यो की प्रशंसा की। महिला एवं बालिकाओं के लिए किए कार्यो की सराहना की

एसडीओपी बेरला श्री विनय कुमार ने कहा कि एएसपी श्रीमती ज्योति सिंह ने अपने सेवा काल के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने एवं नई जिम्मेदारियों में सफलता पाने के लिए शुभकामनाएँ दी। डीएसपी (मुख्यालय) श्री राजेश कुमार झा ने कहा कि एएसपी बेमेतरा के तौर पर पदस्थ रहते हुए श्रीमती ज्योति सिंह ने अपने लगभग 02 वर्षों के कार्यकाल में अच्छा काम किया। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे नई जिम्मेदारी भी सफलता के साथ निभाएंगे।

डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू ने एएसपी श्रीमती ज्योति सिंह के सेवा काल व चुनाव के समय निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दी।

उपस्थित राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारी तथा अन्य पुलिस स्टाफ ने भी एएसपी श्रीमती ज्योति सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए अपने अनुभव साझा किए एवं नई जगह के लिए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

इस विदाई समारोह में मुख्य लिपिक उनि (अ) हरिओंम विश्वकर्मा, स्टेनो सउनि (अ) संतोष सोनवानी, उनि (अ) प्रदीप देशमुख, सउनि (अ) महेन्द्र भुआर्य, सहित थाना/चौकी प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, रोशन लाल टोन्ड्रे, उप निरीक्षक राकेश साहू, डी.एल. सोना, असीम किर्तनीया, सहायक उप निरीक्षक रेशम लाल भास्कर, उदल राम टांडेकर, विष्णु सप्रे, माधव सिंह, पन्ना लाल सिन्हा, राणा प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक एश्वर्य सिंह, सुरेश भारतेंदु सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन रक्षित निरीक्षक श्री प्रवीण खल्खो ने किया।

कार्यकर्ताओं ने साजा विधायक ईश्वर साहू का जन्मदिन सेवा-संवेदना के साथ मनाया

मंदिर दर्शन से लेकर वृद्धाश्रम व अस्पताल तक पहुँचे, लिया आशीर्वाद

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। साजा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक माननीय ईश्वर साहू का जन्मदिन कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया। जन्मदिन के अवसर पर विधायक श्री साहू ने प्रातः महामाया मंदिर, राम मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात वे अपने पैतृक निवास, शीतला मंदिर बिरनपुर तथा कतेली स्थित वृद्धाश्रम पहुँचे, जहाँ उन्होंने वृद्धजनों से आत्मीय मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके बाद विधायक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों एवं स्टाफ से भेंट की। जन्मदिन के उपलक्ष्य में गार्डन भवन, साजा में भव्य अभिनंदन कार्यक्र म आयोजित किया गया, जहाँ भजन संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भोजन व्यवस्था की गई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक ढोल-ताशों के साथ पहुँचे और विधायक का जोरदार स्वागत किया। जन्मदिन के अवसर पर पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव श्री लाभचंद बाफना ने विधायक निवास पहुँचकर उन्हें शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। "यह मेरा नहीं, कार्यकर्ताओं का जन्मदिन है" – ईश्वर साहू कार्यक्र म को संबोधित करते हुए विधायक श्री ईश्वर साहू ने कहा कि "यह मेरा जन्मदिन नहीं, बल्कि मेरे कार्यकर्ताओं का जन्मदिन है। आप सभी की मेहनत, लगन और निस्वार्थ सेवा से ही साजा विधानसभा में कमल खिला है। मेरे लिए यह जन्मदिन के साथ-साथ नववर्ष का पहला दिन भी है।" उन्होंने उपस्थित जनसमूह को नववर्ष की भी हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी एवं जिला महामंत्री राजेश ठाकुर ने कहा कि साजा क्षेत्र में सड़क, कांक्रीट निर्माण, नल-जल योजना, पुल-पुलिया, अस्पताल, विश्राम गृह एवं बायपास रोड जैसे विकास कार्य हुए हैं। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा है। क्षेत्र के समग्र विकास का श्रेय पूर्व विधायक लाभचंद बाफना एवं वर्तमान विधायक ईश्वर साहू को जाता है।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में थानखम्हरिया दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोसेवाडा, जितेंद्र साहू तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी, मूलचंद शर्मा, हरिशंकर टावरी, नथमल कोठारी, जितेंद्र वर्मा, पवन शर्मा, रोहित राजपूत नवीन पवार बालू राम साहू परमेश्वर वर्मा नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चंदन अग्रवाल, साजा जनपद अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू, अनिल सिंघानिया, सुरेश सिंघानिया, थानखम्हरिया मण्डल अध्यक्ष केशव पटेल, ज्वाला सिंह राजपूत, भागवत सिन्हा, रोहित राजपूत, राहुल छाबड़ा, अतुल सिंघानिया, चंद्रशेखर राजपूत, मनोहर साहू,घनश्याम ठाकुर, दीपक बंसल, राजेश सिंघानिया, मनीष रात्रें, भैयाराम लहरे, नमिता सिन्हा, रेखा शर्मा, दौलतनाथ योगी, पूरन कश्यप, विजय शर्मा, टीकम अग्रवाल, संतोषी कुंभकार, छेदू सिन्हा सहित नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे और विधायक को जन्मदिन की बधाई दी।

चण्डी मंदिर समिति की बैठक में अनेक विषयों पर हुयी चर्चा

थानखम्हरिया। समीपस्थ ग्राम करमू स्थित सिद्ध शक्ति पीठ मॉ चण्डी मंदिर धाम में 3 जनवरी को मंदिर निर्माण समिति की चौथी बैठक संपन्न हुयी जिसमें मंदिर निर्माण तैयारियों को लेकर अनेक विषयों पर चर्चा की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि दानदाताओं के नाम का दीवाल लेखन किया जाये। आसपास के ग्रामों में श्रद्धालुओं से संपर्क कर दान राशि संग्रह की जाये। मंदिर समिति के सदस्यों तथा मंदिर से जुड़े भक्तों को दान राशि रसीद बुक का वितरण किया जाये। इसके अलावा मंदिर निर्माण से जुड़े अनेक बिंदुओं पर चर्चा की गयी। बैठक में थानेश्वर पटेल, व्यासनारायण पाण्डे, रामानुज सिंह ठाकुर, रघुवीर सिंह, लोकनाथ पटेल सरपंच, दौलतनाथ योगी, मीनाराम, भारत, हेमचंद पाटिल, मुकेश साहू, रामानुज साहू आदि सदस्य उपस्थित थे। लगभग एक करोड़ रू की लागत से चण्डी मंदिर का नवनिर्माण किया जा रहा है। दो सौ साल प्राचीन इस चण्डी मंदिर की दूर - दूर तक प्रसिद्धि है जहॉ श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा के साथ माता के दर्शन करने आते हैं। इस मंदिर का भव्य नव कलेवर के साथ नवनिर्माण किया जाना है।

उपमुख्यमंत्री अरूण साव के बहनोई स्व. सुरेश साहू को दी श्रद्धांजलि

थानखमरिया। मानस संघ के ब्लाक अध्यक्ष भरत साहू ने छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री अरूण साव जी के बहनोई स्वर्गीय श्री सुरेश साहू जी के दशगात्र कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भरत साहू ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवारजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि स्व. सुरेश साहू जी एक सरल, मिलनसार एवं समाजसेवी व्यक्तित्व के धनी थे, जिनका जीवन सदैव स्मरणीय रहेगा। दशगात्र कार्यक्रम में परिजनों, आत्मीयजनों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने दिवंगत आत्मा को नमन करते हुए उनके पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने की कामना की।

साजा में मंदिर का पाटोत्सव एवं श्री सीताराम विवाहोत्सव का आयोजन 21 से 23 जनवरी तक

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। श्रीरामहर्षण कुंज साजा में मंदिर का पाटोत्सव तथा श्री सीताराम विवाहोत्सव का आयोजन 21, 22 और 23 जनवरी को हर्षोल्लास के साथ संपन्न होगा। आयोजन की भव्य तथा व्यापक तैयारियॉ की जा रही हैं।

धर्म नगरी साजा में सन् 2006 बसंत पंचमी में मंदिर की स्थापनाकाल से ही प्रतिवर्ष बसंत पंचमी को मंदिर का वार्षिकोत्सव तथा दूसरे दिन श्री सीताराम विवाहोत्सव का आयोजन बड़े धूमधाम से किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन 21 से 23 जनवरी को संपन्न होगा। आयोजन में परमपूज्य स्वामी श्री अयोध्यादास जी महाराज की विशेष उपस्थिति होगी साथ ही अनेक तीर्थ स्थानों के संत, महंत पधारेंगे। प्रथम दिन 21 जनवरी को शाम 6 बजे मटखोर (चुलमाटी) की लीला होगी। 22 जनवरी को सुबह 9.30 बजे से प्रभुजी का पावन अभिषेक होगा। जल, दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु, अनेक सुगंधित द्रव्यों, दिव्य औषधियों से वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ ठाकुर जी का अभिषेक किया जायेगा। इसी दिन रात्रि 7 बजे राजगद्दी महोत्सव होगा। श्री जानकी जीवन लाल जू को सिंहासन में आसीन कर छत्र, चॅवर के साथ राजतिलक किया जायेगा। राजा राम की जय जयकार की जायेगी इनकी शोभा, सौंदर्य के पदों का गायन किया जायेगा न्यौछावरी लुटायी जायेगी। 23 जनवरी को सुबह 9.30 बजे बसंत उत्सव मनाया जायेगा। अयोध्या से आये स्वरूप भगवानों द्वारा फूलों की होली खेली जायेगी। सुबह 11.30 बजे भण्डारा प्रसादी होगी। दोपहर 1.30 बजे श्रीरामहर्षण कुंज से बारात प्रस्थान करेगी। रथ, बग्घी, घोड़ा में सजी बारात नगर भ्रमण कर वापस श्रीरामहर्षण कुंज पहुॅचेगी। रात्रि 7 से 10 बजे तक विवाह की रस्में निभायी जायेंगी। श्री छ.ग. रामहर्षण सेवा संस्थान एवं श्री सीताराम विवाह महोत्सव समिति आयोजन की तैयारी में लगी हुयी है। क्षेत्र में प्रचार प्रसार सामग्री पहुॅचायी जा रही है साथ ही समिति के लोग भ्रमण कर आयोजन का आमंत्रण दे रहे हैं। आयोजन में अयोध्या, मिथिला, चित्रकूट, वृंदावन, पौड़ीधाम, प्रयागराज, वाराणसी, हरिद्वार सहित देश के अनेक तीर्थस्थलों के साधु, संत, महात्मा, श्रद्धालु उत्साह के साथ भाग लेते हैं। महंत श्री वैष्णवदास जी ने भक्तों से आयोजन में पधारने का निवेदन किया है।

कबीरनगर में विराट हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न, एकता और संस्कृति के जागरण का दिया गया संदेश

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना ने कहा कि "राष्ट्र और समाज की सर्वांगीण प्रगति का मूल आधार सामाजिक समरसता है, जो केवल विचारों से नहीं बल्कि हमारे व्यवहार से साकार होती है।" उन्होंने कहा कि जब समाज का प्रत्येक वर्ग बिना भेदभाव के एक-दूसरे के साथ चलता है, तभी राष्ट्र आत्मनिर्भर और सशक्त बनता है। वे सेजबहार में आयोजित हिन्दू सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

इस क्रम में सर्व हिन्दू समाज आयोजन समिति, कबीरनगर के तत्वावधान में दशहरा मैदान, कबीरनगर में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य एवं गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन हिन्दू समाज की एकता, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं राष्ट्रभाव के जागरण को समर्पित रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 1 बजे अतिथियों के आगमन के साथ हुआ। भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर उद्घाटन किया गया। अतिथि परिचय एवं सम्मान के उपरांत सम्मेलन की प्रस्तावना के. पी. मिश्रा द्वारा प्रस्तुत की गई। सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि आचार्य वेद प्रकाश जी महाराज, महंत -रामकुंड मठ, रायपुर ने कहा कि "अब भारत को सांस्कृतिक आज़ादी चाहिए, जो हमारे व्यवहार में आये। ऐसा होने पर ही राष्ट्र वैचारिक रूप से सशक्त बनेगा। और, संवैधानिक रूप से भी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा।" मातृशक्ति उद्बोधन में नीलम सिंह, राष्ट्रीय संयोजिका (महिला विंग), शाश्वत हिन्दू जागृति, छत्तीसगढ़ ने कहा कि "मातृशक्ति के ऊपर हिन्दू समाज के संरक्षण और संस्कारों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।" वहीं कामिनी वर्मा ने कहा कि विद्यालयों में संस्कारयुक्त शिक्षा का वातावरण बनाना आवश्यक है, जिससे आने वाली संतति बेहतर और चरित्रवान बन सके। मुख्य अतिथि श्री उमेश कच्छप, अध्यक्ष - वनवासी विकास समिति, छत्तीसगढ़ ने कहा कि हिन्दू एकता के साथ जनजातीय समाज के विकास में भी सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है।

विद्यालयों में संस्कारयुक्त शिक्षा का वातावरण बनाना आवश्यक है, जिससे आने वाली संतति बेहतर और चरित्रवान बन सके - कामिनी वर्मा

मुख्य वक्ता श्री सुबोध राठी, अध्यक्ष -छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति ने कहा कि "जब तक हम हिन्दुओं के मानबिंदुओं की रक्षा नहीं करेंगे, तब तक समाज कमजोर रहेगा। हमें कठोरता से अपने हिन्दू होने का दायित्व निभाना होगा।" इसी क्रम में कोटा में आयोजित हिन्दू सम्मेलन के मुख्य वक्ता सुशील पारिख ने कहा कि "हम स्वयं कुछ भी नहीं हैं। हम सम्पूर्ण हिन्दू समाज के समग्र विकास के लिए संगठन और सेवा के माध्यम से निकले हैं।" सम्मेलन के दौरान कबीरनगर के सभी मंदिरों से महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का समापन भारत माता की सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर संघचालक सदाशिव गोफन, धर्म जागरण प्रमुख संतोष सिंह, गोपाल टावरी, बुलाकी वर्मा, बीरेंद्र सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

साजा। विधानसभा क्षेत्र विधायक ईश्वर साहू के जन्मदिन के अवसर पर निज निवास पहुंचकर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंघानिया ने बधाई दी उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

श्री रामहर्षण सेवा संस्थान के महंत वैष्णव दास आमंत्रण देने पहुंचे नगर में

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखमरिया। श्री राम हर्षण सेवा संस्थान के महंत वैष्णव दास जी अपने संतो के साथ श्री सीताराम विवाह उत्सव का आमंत्रण देने नगर में पहुंचे। यह महोत्सव साजा में हर साल पंचमी तिथि को मनाया जाता है, जिसे विवाह पंचमी के नाम से जाना जाता है, महंत वैष्णव दास द्वारा राधा कृष्ण जमात मंदिर महंत बसंत बिहारी दास से मिले, पश्चात नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता चंदन अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, अनिल सिंघानिया, नैतिक अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश सिंघानिया, मां दंतेश्वरी मानस महिला मंडली से मुलाकात कर, भगवान राम के विवाह में सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया गया। महंत जी ने कार्यक्रम में नगर से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान महंत जी ने बताया 21/ 1 2026 को चुलमाटी का कार्यक्रम, 22 तारीख को प्रभु जी का अभिषेक व राजगद्दी महोत्सव, और 23 तारीख को बसंत उत्सव, अयोध्या से आए साधु, संतों के सानिध्य में फूलों का होली और विवाह महोत्सव से मनाने की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com